पटना ● शनिवार , 26 अप्रैल 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः108 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

आतंकी हमले में मारे गए भारतीय ... 3 www. bordernewsmirror.com ऐसा हुआ तो पति से तलाक... 7

भारत के फाइनल वार से पहले पड़ोसी मुल्क थर्राया

● पाकिस्तान ने खुद खोल दिया पीओके का रास्ता ● शिमला समझौता सस्पेंड,मतलब ये है कि अब लाइन ऑफ कंट्रोल खत्म

नईदिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत के एक्शन से पाकिस्तान सकपका गया है। उसे डर है कि भारत न जाने किस पोस्ट पर सर्जिकल स्ट्राइक कर दे। पाकिस्तान कंगाली में LoC पर रातभर गोला बारूद फूंकता रहा। दहशत में पाकिस्तानी लड़ाकू विमान रात भर उड़ते रहे। भारतीय शूरवीर पाकिस्तानी सीमा के करीब उसके खौफ को बढ़ा रहे हैं, भारत की तीनों सेनाओं के युद्धाभ्यास से पाकिस्तान में हड़कंप है। सप्त शक्ति कमांड ने दुश्मन के घर में घुसकर खलबली मचाने की ताकत को परखा है। वायुसेना ने सुखोई, राफेल के साथ युद्धाभ्यास किया। नौसेना ने मिसाइल दाग कर पाकिस्तान में खौफ पैदा कर दिया है। इतना ही नहीं, शिमला समझौता सस्पेंड करने की बात बोलकर पाकिस्तान ने खुद पीओके का रास्ता खोल दिया है। दरअसल, पीओके के राजनीतिक कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने कहा कि पाकिस्तान कह रहा है कि उसने शिमला समझौता सस्पेंड कर दिया है, इसका मतलब ये है कि अब लाइन ऑफ कंट्रोल खत्म हो गई है और पाकिस्ता वापस सीजफायर लाइन पर आ गया है।

एयरफोर्स का 'आक्रमण'

नौसेना की ड्रिल, आर्मी चीफ खुद पहुंचे कश्मीर... एक्शन तेज

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। दोनों देशों की सेनाएं युद्धाभ्यास कर रही हैं। भारत ने एक तरफ सिंधु समझौता स्थगित कर दिया है तो वहीं भारत के आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी एलओसी पर हालात का जायजा ले रहे हैं, जबकि पाकिस्तान ने शिमला समझौते को रद्द कर दिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। एक तरफ एयरफोर्स 'आक्रमण' के नाम से युद्धाभ्यास कर रही है तो वहीं सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी जम्मू-कश्मीर पहुंच चुके हैं। दोनों देशों की नौसेनाएं भी अरब सागर में युद्धाभ्यास कर रही हैं।

बॉर्डर पर हाई अलर्ट

पहलगाम अटैक के बाद नेपाल से घुसपैठ की संभावना, पाकिस्तानी नागरिकों के प्रवेश पर रोक

नईदिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद नेपाल के रास्ते भारत में आतंकियों के घुसपैठ की संभावना है। इसको लेकर भारत नेपाल सीमा पर चौकसी बढा दी गई है। सीमा की सुरक्षा में तैनात एसएसबी व सीमाई थाना सिकटा की पुलिस संयुक्त रूप से बॉर्डर पर सघन जांच अभियान चला रही है। रूटीन ड्यूटी से अलग एसएसबी व पुलिस नेपाल से आने वाले सभी मार्गों पर जांच कर रही है। नेपाल से भारत आने जाने वाले लोगों की गहन तलाशी हो रही है। एसएसबी के इंस्पेक्टर सह सिकटा कंपनी प्रभारी राजवीर यादव ने कहा कि नेपाल के रास्ते आतंकी भारत में प्रवेश कर सकते हैं। इसको लेकर बॉर्डर पर सख्ती जरूरी है। शुक्रवार को एसएसबी की 47 वीं वाहिनी के सिकटा प्रभारी राजवीर यादव व सिकटा थानाध्यक्ष राज रौशन के नेतृत्व में राहगीरों को रोककर उनके बैग आदि की स्कैनर मशीन से जांच की गई।

नेपाली नागरिकों ने जांच का किया विरोध

इस बीच, कई राहगीरों ने जांच का विरोध भी किया। जिन्हें समझाने के बाद शांत हुए। राहगीरों में पर्सा जिला नेपाल के हरिहरपुर के सोहन पटेल कुर्मी, विरंची के सुबोध तिवारी, लंगड़ी के मनोहर साह कानू आदि ने कहा कि भारत व नेपाल में बेटी व रोटी का संबंध है।

कुमार मंगलम बिड़ला, लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित

● पुरस्कार आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन और पद्म भूषण से सम्मानित कुमार मंगलम बिड़ला को मुंबई में लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने उन्हें यह पुरस्कार दिया। बिड़ला को यह सम्मान भारत के विकास में उनके

महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया गया। इससे पहले यह पुरस्कार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गायिका आशा भोसले और अभिनेता अमिताभ बच्चन को भी मिल चुका है। यह पुरस्कार लता मंगेशकर की याद में 2022 में शुरू किया गया था। लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार मास्टर दीनानाथ मंगेशकर स्मृति प्रतिष्ठान की ओर से दिया जाता है। यह एक सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट है। मंगेशकर परिवार इसे 35 सालों से चला रहा है।

यूपी बोर्ड रिजल्ट 12वीं में दिहाड़ी मजदूर की बेटी महक जायसवाल ने किया टॉप

● मार्कशीट देख बोले लोग- वाह बेटी ने नाम रोशन कर दिया

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी बोर्ड रिजल्ट 2025 उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं 2025 के परिणाम शुक्रवार को घोषित किए गए,

जिसमें हाईस्कूल (10वीं कक्षा) की परीक्षा में जालौन के यश प्रताप सिंह और इंटरमीडिएट (12वीं कक्षा) में प्रयागराज की महक जायसवाल ने बाजी मारी। महक जायसवाल प्रयागराज की रहने वाली हैं, उन्होंने 12वी की परीक्षा में प्रथम स्थान हासिल किया है। यहां बोर्ड मुख्यालय में परीक्षा परिणाम घोषित करते हुए शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) डॉ. महेन्द्र देव ने बताया कि हाईस्कूल की परीक्षा में शीर्ष 10 में कुल 55 छात्र-छात्राओं ने स्थान हासिल किया है, जिसमें जालौन के यश प्रताप सिंह 97.83 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान पर रहे।

वक्फ कानून पर केंद्र का सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा

● कहा- धार्मिक अधिकार में कोई हस्तक्षेप नहीं, सभी याचिकाएं खारिज की जाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन कानून पर केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया।

केंद्र ने कहा, 'वक्फ मुसलमानों की कोई धार्मिक संस्था नहीं बल्कि वैधानिक निकाय है।'

केंद्र ने वक्फ (संशोधन) की वैधता के खिलाफ दायर सभी याचिकाएं खारिज करने की मांग की। केंद्र ने कहा, अदालतें वैधानिक प्रावधान पर रोक नहीं लगा सकती, संवैधानिक वैधता की समीक्षा कर सकती हैं और निर्णय दे सकती हैं। संसद में बनाए गए कानूनों पर संवैधानिकता की धारणा लागू होती है। विधायिका द्वारा लागू की गई विधायी व्यवस्था को बदलना स्वीकार नहीं है।

पहलगाम हमले के बाद पहला जुमा

● नमाजियों ने काली पट्टी बांधी, बोले- हमें बॉर्डर पर छोड़ दो

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद आज पहले जुमे पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ी। नमाज के बाद आतंकी घटना के

खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुआ। पाकिस्तान और आतंकियों का पुतला जलाए गए। साथ ही हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में टीले वाली मस्जिद के शाही इमाम मौलाना कारी सैयद फजलुल मन्नान रहमानी ने नमाज के बाद कहा- पीएम मोदी जो भी फैसला करेंगे, हम सब उनके साथ हैं और उनके हर फैसले का समर्थन करेंगे।

गृहमंत्री शाह एक्शन में

राज्यों के मुख्यमंत्रियों से कहा- पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजें

नईदिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्री से बात की है, उनकी तरफ से दो टूक कहा गया है कि सभी पाकिस्तानियों को खोज-खोज कर बाहर निकाला जाए, उनके वीजा रद्द हों। पहलगाम हमले के बाद यह पहला मौका है जब अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्री से ऐसे बात की है। बताया जा रहा है कि गृह मंत्री ने पहले सभी बड़े अधिकारियों के साथ एक बैठक की थी, उसके बाद ही राज्यों के मुख्यमंत्रियों के लिए ये निर्देश जारी किया गया।

जानकारी के लिए बता दें कि बुधवार को ही सीसीएस की बैठक के बाद फैसला हो चुका था कि पाकिस्तानियों के वीजा रद्द होंगे। अब इसी कड़ी में गृह मंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी ऐसा करने के निर्देश दे दिए हैं। यहां पर समझने वाली बात यह है कि कई राज्यों में अवैध तरीके से पाकिस्तानी रहते हैं, ऐसे में अब उन्हें चिन्हित कर बाहर निकालने की बात कही गई है।

पहलगाम हमले का बदला शुरू

● आतंकियों के ठिकानों पर सुरक्षा बलों का ताबड़तोड़ एक्शन, बुलडोजर चला-घर में विस्फोट

श्रीनगर/नईदिल्ली (एजेंसी)। 22 अप्रैल को बैसरन घाटी में हुए खौफनाक आतंकी हमले के बाद अब भारत ने बड़ा जवाब देना शुरू कर दिया है। हमले के पीछे शामिल आतंकियों को सबक सिखाने के लिए सुरक्षा एजेंसियों ने तेज और टारगेटेड कार्रवाई का मोर्चा संभाल लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'कड़े एक्शन' की घोषणा के कुछ ही दिनों बाद अब जमीन पर एक्शन देखने को मिल रहा है।

त्राल में आतंकी के घर में धमाका, दूसरे का घर ध्वस्त- इस सिलसिले में सबसे बड़ी कार्रवाई जम्मू-कश्मीर के त्राल इलाके में हुई, जहां पुलिस ने आतंकी आसिफ के घर पर छापा मारा। बताया जा रहा है कि उसके घर में विस्फोटकों का बड़ा जखीरा छुपाया गया था, जिसमें अचानक धमाका हो गया। इस दौरान सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर लिया और तलाशी अभियान तेज कर दिया। वहीं, दूसरे आतंकी आदिल के घर पर बुलडोजर एक्शन हुआ-घर को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। दोनों आतंकी हाल ही में वायरल हुए उस वीडियो में देखे गए थे, जिसमें वे सुरक्षा बलों को खुली चुनौती दे रहे थे।

कठुआ में दिखे 4 संदिग्ध, महिला ने सुरक्षाबलों को दी जानकारी

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर में सुरक्षा बलों ने एक बड़ा सर्च ऑपरेशन शुरू किया सूत्रों के अनुसार, यह सर्च ऑपरेशन तब शुरू किया गया जब एक महिला ने पुलिस को जानकारी दी कि उसने

इलाके में चार संदिग्ध लोगों को देखा है. महिला की सूचना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और सुरक्षा बल तुरंत हरकत में आ गए। जम्मू-कश्मीर पुलिस की स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप मौके पर पहुंच गई है और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर सघन तलाशी अभियान चला रही है। इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और हर आने-जाने वाले पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

पाक रक्षा मंत्री का कबूलनामा

● आतंकियों का समर्थन बड़ी गलती, अमेरिका के कहने पर 30 साल से यह गंदा काम कर रहे, सजा भुगत रहे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने माना है कि उनका देश पिछले 30 साल से आतंकवादियों का समर्थन कर रहा है और उन्हें ट्रेनिंग दे रहा है। उन्होंने कहा कि वे अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए यह 'गंदा काम' कर रहे हैं।

ख्वाजा आसिफ ने शुक्रवार को ब्रिटिश अखबार द स्काई को दिए इंटरव्यू में यह बातें कहीं। ब्रिटिश एंकर यल्दा हकीम ने उनसे सवाल पूछा था कि क्या पाकिस्तान आतंकी गुटों की गतिविधियों के लिए जिम्मेदार है? इस पर उन्होंने कहा कि वैश्विक शक्तियों ने अपने हितों के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल किया।

ख्वाजा आसिफ ने यह भी माना कि आतंकियों का समर्थन करना या ट्रेनिंग देना बड़ी गलती थी। हम इसकी सजा भुगत रहे हैं।

- **आसिफ बोले- दोनों देश परमाणु शक्ति, दुनिया को चिंतित होना चाहिए-** पहलगाम मामले को लेकर ख्वाजा आसिफ ने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच शुरू हुआ विवाद दोनों देशों के बीच बड़े जंग का रूप ले सकता है। उन्होंने कहा कि भारत जो भी करेगा, पाकिस्तान उसका जवाब देगा। अगर चीजें गलत हुईं तो इस टकराव का असर खतरनाक हो सकता है। पाक रक्षा मंत्री ने कहा कि पहलगाम हमले के लिए पाकिस्तान नहीं, बल्कि भारत दोषी है। यदि भारत हमारे खिलाफ कोई एक्शन लेता है, तो पाकिस्तान उसका उसी तरह जवाब देगा। आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान के पास जवाब देने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है।
- **पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने आतंकियों को फ्रीडम फाइटर्स बताया-** पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने पहलगाम हमले के आतंकियों को 'स्वतंत्रता सेनानी' कहा है। डार ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- हमें तो शुक्रगुजार होना चाहिए कि ये फ्रीडम फाइटर्स भी हो सकते हैं। हालांकि हम नहीं जानते कि ये कौन हैं। मुझे लगता है कि वे अपनी नाकामी और अपनी घरेलू राजनीति के लिए पाकिस्तान पर इल्जाम लगा रहे हैं। इशाक डार पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री भी हैं।

जंग का खतरा

पाक आर्मी प्रमुख मुनीर ने परिवार को भेजा विदेश

भारत के साथ तनाव के बीच पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर और कई सैन्य अधिकारियों ने अपने परिवार को विदेश भेज दिया है। दावा किया गया है कि असीम मुनीर के साथ कई सैन्य अधिकारियों ने अपनी बीवी और बच्चों को यूरोपीय देशों में भेज दिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच जंग का खतरा बढ़ गया है। मीडिया सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी है।

श्रीनगर में हमले में घायल हुए लोगों से राहुल गांधी ने की मुलाकात,बोले -

आतंकी कुछ भी कर लें, हम उन्हें हरा देंगे

'सरकार जो भी एक्शन लेगी हम साथ देंगे'

श्रीनगर (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद आज विपक्ष के नेता राहुल गांधी जम्मू-कश्मीर पहुंचे। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने श्रीनगर में हमले में घायल हुए लोगों से मुलाकाात की। इस बीच कांग्रेस सांसद ने कहा कि यह देखकर दुख होता है कि कुछ लोग कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों में मेरे भाइयों और बहनों पर हमला कर रहे हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि मुझे लगता है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम सभी एक साथ खड़े हों, एकजुट रहें और इस घिनौनी कार्रवाई का मुकाबला करें और आतंकवाद को हमेशा के लिए हरा दें। उन्होंने कहा, मैंने मुख्यमंत्री और एलजी से भी मुलाकात की और उन्होंने मुझे जो कुछ हुआ उसके बारे में जानकारी दी और मैंने उन दोनों को आश्वासन दिया कि मेरी पार्टी और मैं उनका पूरा समर्थन करने जा रहे हैं।

दिल्ली में आज से 'ट्रिपल इंजन' की सरकार

राजा इकबाल सिंह बने नए मेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के मेयर का चुनाव शुक्रवार को संपन्न हो गया। राजा इकबाल सिंह नए मेयर निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले, मेयर चुनाव की प्रक्रिया शुरू हुई थी, जिसमें बीजेपी के सभी सांसद मतदान करने पहुंचे। मेयर चुनाव में कुल 142 वोट डाले गए। इसमें राजा इकबाल सिंह को 133 वोट मिले। एक वोट अमान्य घोषित कर दिया गया। जीत के बाद राजा इकबाल सिंह ने कहा कि वह सभी को साथ लेकर चलेंगे। सफाई कार्यक्रम उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। दिल्ली की जनता को सभी सुविधाएं मिलेगी। अब दिल्ली में ट्रिपल इंजन की सरकार हो गई है।

पूर्व इसरो चीफ का निधन

● 84 की उम्र में अंतिम सांस ली; इनके नेतृत्व में चंद्रयान मिशन की प्लानिंग शुरू हुई थी

बेंगलुरु (एजेंसी)। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) के पूर्व चीफ डॉ के कस्तूरीरंगन की शुक्रवार सुबह मौत हो गई। वह 84 साल के थे। अधिकारियों ने बताया कि कस्तूरीरंगन ने बेंगलुरु में अपने घर पर अंतिम सांस ली। 27 अप्रैल को उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट में रखा जाएगा। कस्तूरीरंगन को दो साल पहले दिल का दौरा पड़ा था। उसके बाद से वे बीमार चल रहे थे। कस्तूरीरंगन 1994 से 2003 तक इसरो चीफ थे। उन्हीं के नेतृत्व में चंद्रयान जैसे बड़े मिशनों की योजना बनानी शुरू की थी।

पहलगाम हमले पर सर्वदलीय बैठक में क्यों नहीं गई नीतीश की पार्टी, जेडीयू ने दी सफाई

पटना, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद दिल्ली में गुरुवार शाम को आयोजित सर्वदलीय बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने हिस्सा नहीं लिया। कांग्रेस ने इस पर सवाल उठाया। वहीं, जेडीयू की ओर से सफाई देते हुए कहा गया कि मधुबनी में पीएम नरेंद्र मोदी की सभा के चलते पार्टी के वरिष्ठ नेता बिहार में थे। इस कारण जेडीयू सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं हो पाई।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने गुरुवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए पहलगाम हमले को लेकर हुई सर्वदलीय बैठक में जेडीयू की गैरमौजूदगी पर सवाल उठाया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, प्रधानमंत्री की प्राथमिकता चुनाव है। जेडीयू की प्राथमिकता प्रधानमंत्री है। आतंकी हमले पर सर्वदलीय बैठक का इंतजार किया जा सकता है। जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन सिंह ने गुरुवार सुबह मीडिया से बातचीत में कहा कि दिल्ली में आयोजित सर्वदलीय बैठक में उनकी पार्टी के नेता शामिल नहीं हो पाएंगे। जेडीयू के सभी वरिष्ठ नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मधुबनी में कार्यक्रम की व्यस्तता की वजह से दिल्ली में उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम में जो बर्बर हमला हुआ, उसके विरोध में आयोजित सर्वदलीय बैठक में केंद्र सरकार जो भी राष्ट्र हित में फैसला लेगी, जेडीयू उनके साथ है।

बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी ने मधुबनी जिले के झंझारपुर में गुरुवार को पंचायती राज दिवस के मौके पर कार्यक्रम को संबोधित किया। इसमें उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले पर बोलते हुए आतंकियों को कड़ी चेतावनी दी। पीएम ने कहा कि आतंकियों और साजिश रचने वालों को ऐसी सजा दी जाएगी, जिनकी उन्होंने कल्पना नहीं की होगी। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह समेत जेडीयू और एनडीए के कई नेता मौजूद रहे।

पटना के बाद बिहार के कई जिलों में स्कूल का समय बदला, भीषण गर्मी के चलते फैसला

पटना, एजेंसी। बिहार में भीषण गर्मी के बीच स्कूली बच्चों को राहत मिली है। पटना के बाद 4 और जिलों में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। भागलपुर, गया, बांका और औरंगाबाद जिले में भी सरकारी एवं निजी विद्यालयों के समय में बदलाव का आदेश गुरुवार को जारी कर दिया गया। भागलपुर में सुबह 11 बजे के बाद कक्षाओं के संचालन पर रोक लगा दी गई है। इसी तरह, गया और बांका जिले में भी स्कूलों का समय सुबह 11.30 बजे तक कर दिया गया है। औरंगाबाद में पौने 12 बजे स्कूल की छुट्टी कर दी जाएगी। भागलपुर के डीएम नवल किशोर चौधरी ने गुरुवार को अपने आदेश में कहा कि जिले में चलने वाली लू और दोपहर में भीषण गर्मी के चलते बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। इसे देखते हुए जिले के सभी स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और प्री-स्कूलों के सुबह 11 बजे के बाद संचालन पर रोक लगाई गई है। यह आदेश 25 से 27 अप्रैल तक लागू रहेगा। इसी तरह, गया जिले में भी भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूलों में 10वीं तक की कक्षाओं के सुबह 11.30 बजे के बाद संचालन पर रोक रहेगी। गया गुरुवार को बिहार का सबसे गर्म जिला रहा। यहां तापमान 42 डिग्री के ऊपर दर्ज किया गया। बांका जिले में भी सभी निजी और सरकारी स्कूलों की छुट्टी सुबह 11.30 बजे कर दी जाएगी। डीएम अंशुल कुमार ने 27 अप्रैल तक के लिए यह आदेश गुरुवार को जारी किया। औरंगाबाद जिले में सभी निजी और सरकारी विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों पर सुबह 11.45 बजे के बाद रोक लगाई गई है।

मिड डे मील की सब्जी में निकला सांप, खाने से 200 बच्चे बीमार, एक की हालत गंभीर

पटना, एजेंसी। बिहार के पटना जिले में मिडे डे मील खाने के बाद 200 से अधिक स्कूली बच्चे बीमार हो गए। इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना मोकामा प्रखंड के मेकरा स्थित मध्य विद्यालय की है। बताया जा रहा है कि मध्याह्न भोजन यानी मिड डे मील की सब्जी में सांप गिर गया था। उसे खाने से ही बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। इस घटना के विरोध में गुरुवार शाम को स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर हंगामा भी किया। प्रखंड विकास पदाधिकारी रवि कुमार ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर जाम खत्म करवाया।

बीडीओ ने बताया कि से मामले की जांच की जा रही है। इस बीच करीब एक घंटे तक सड़क जाम रही और आवागमन पूरी तरह ठप रहा। स्कूल के दर्जनों बच्चों ने आरोप लगाया कि गुरुवार को स्कूल के मिड डे मील में चावल और आलू-कद्दू की सब्जी बनी थी। बच्चों को इस दौरान सब्जी में एक मरा हुआ सांप मिला, जिसे विद्यालय के रसोइया ने शौचालय में फेंक दिया। फिर वही सब्जी बच्चों को खिला दी।

छात्र-छात्राओं ने बताया कि गुरुवार को करीब 500 बच्चों ने मध्याह्न भोजन खाया था। भोजन करने के बाद कुछ बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी तो सभी शिक्षक समय से पहले ही छुट्टी देकर स्कूल से निकल गए। बच्चे घर पहुंचे और धीरे-धीरे एक-एक कर करीब 200 बच्चों की तबीयत खराब हो गई।

ग्रामीण धीरे-धीरे एकजुट होने लगे, घटना की सूचना पर पहुंची मोकामा थाना की पुलिस ने 50 से अधिक बच्चों को ले जाकर मोकामा रेफरल अस्पताल में भर्ती करवाया। इसके बाद एक-एक कर करीब 150 और बच्चों को लेकर उनके अभिभावक मोकामा रेफरल अस्पताल के ट्रामा सेंटर पहुंच गए। देर रात तक चिकित्सक बच्चों की जांच करते रहे। मौके पर मौजूद चिकित्सक डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि एक बच्चे की तबीयत थोड़ी खराब थी, लेकिन अब वे भी खतरे से बाहर है। बाकी बच्चे भी ठीक हैं, सभी की जांच की जा रही है। देर रात तक अस्पताल में गहमागहमी का माहौल रहा। सैंकड़ों ग्रामीण और सामाजिक कार्यकर्ता मौके पर मौजूद रहे और बच्चों की देखभाल करते रहे।

मोतिहारी में 50 करोड़ की लागत से बन रहा आरओबी

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी के भितहा में रेल ओवरब्रिज (आरओबी) का निर्माण तेजी से चल रहा है। केंद्र सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए 50 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। बनकट भितहा रेलवे गुमटी संख्या 158 पर बन रहे इस आरओबी से कई प्रखंडों को फायदा मिलेगा। इस आरओबी से कोटवा, कल्याणपुर, केसरिया, तुरकौलिया और हरसिद्धि समेत 6 से ज्यादा प्रखंडों का सीधा जुड़ाव जिला मुख्यालय मोतिहारी से हो जाएगा। इससे लोगों की आवाजाही आसान होगी। पहले इस रेलवे गुमटी पर रोज घंटों जाम लगता था। इससे आम लोगों के साथ एंबुलेंस और स्कूल वाहन भी प्रभावित होते थे।

समस्तीपुर में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक में मारी टक्कर

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर के वारिसनगर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पिता-पुत्री समेत 4 लोग घायल हो गए। 3 की हालत गंभीर बनी हुई है। एक ही बाइक से सभी भोज खाने जा रहे थे। घटना सुखपुर गांव की है। घायलों की पहचान नथुनी महतो, पुत्री सुहानी कुमारी, दिव्या कुमारी और भाई धीरज कुमार के तौर पर हुई है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद पिता और 2 बेटियों को डॉक्टरों ने पी.एम.सी.एच. रेफर कर दिया है।

स्टेट लेवल तक खेलेंगे सरकारी स्कूल के स्टूडेंट्स, ट्रेनिंग-स्कॉलरशिप मिलेगी

37,588 स्कूलों के 58 लाख छात्र-छात्राओं के लिए खेल प्रतियोगिता शुरू, हर एक को मिलेंगे टी-शर्ट और मेडल

पटना, एजेंसी। बिहार के सरकारी स्कूलों में खेल प्रतिभा को पहचान दिलाने के लिए आज से स्कूलों में खेल प्रतियोगिता की शुरुआत हो रही है। मशाल-2024 कार्यक्रम के तहत बिहार के 37,588 स्कूलों में 25 से 27 अप्रैल तक खेल प्रतियोगिता होगी। इसमें 58 लाख स्टूडेंट्स हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता, स्कूलों में खिलाड़ियों की तलाश के लिए किया जा रहा है। स्कूलों में होने वाली प्रतियोगिता में चयनित छात्रों को संकुल, प्रखंड और जिला स्तर पर खेलने का मौका मिलेगा।

बालक वर्ग में 14, बालिका वर्ग में 16 साल के खिलाड़ी ले सकते हैं भाग : यह प्रतियोगिता दो श्रेणियां में आयोजित की जाएगी। बालक वर्ग में 14 वर्ष और बालिका वर्ग में 16 साल उम्र निर्धारित की गई है। विजेता को प्रखंड स्तर पर नगर राशि भी प्रदान की जाएगी। इसमें छात्रों को 1000 रुपए, सेकेंड आने पर 600 और थर्ड आने पर 400 रुपए दिए जाएंगे। साथ ही सभी प्रतिभागियों को टी-शर्ट एवं मेडल दिया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यालय स्तर से खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है।

स्टेट लेवल पर खेलने का मिलेगा मौका : प्रखंड के बाद जिला स्तर पर चयनित टीम को स्टेट लेवल पर खेलने के मौका दिया जाएगा। इस दौरान एथलेटिक्स में किक्रेट, बॉल थ्रो, लंबी कूद, दौड़, साइकलिंग, फुटबॉल, बॉलीवॉल प्रतियोगिताएं होंगी। जिला स्तर पर प्रथम आने वाले छात्र को 2500 रुपए, सेकेंड आने वाले को 1500 और थर्ड आने पर 1000 रुपए मिलेंगे। इस दौरान जो स्टूडेंट्स स्टेट लेवल पर प्रथम श्रेणी में आता है, उसे 5000 रुपए, सेकेंड आने पर 3000 रुपए और थर्ड आने पर 2000 रुपए दिए जाएंगे। राज्य स्तर पर चयनित छात्रों को खिलाड़ी के रूप में ट्रेनिंग के साथ ही स्कॉलरशिप भी दी जाएगी।

मोतिहारी में बाइक सवार की चाकू से गोदकर हत्या

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी के नगर थाना क्षेत्र के अगरवा मुहल्ले में अज्ञात बदमाशों ने एक 17 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक गोलू कुमार बेलीसराय का रहने वाला था। घटना गुरुवार शाम की बताई जा रही है। मृतक के ममेरे भाई संजू ने बताया कि गोलू का कुछ दिन पहले अगरवा मुहल्ले के विशाल नाम के युवक से विवाद हुआ था। जिसमें बुधवार रात को दोनों के बीच मारपीट भी हुई थी। विशाल ने गोलू को धमकी दी थी कि अगरवा में दिखने पर उसकी हत्या कर दी जाएगी। गुरुवार शाम जब गोलू अगरवा की ओर गया, तब बाइक सवार चार युवकों ने उसका पीछा किया। आरोपियों ने गोलू पर चाकू से कई वॉर किए और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद एक स्थानीय लड़की की नजर घायल गोलू पर पड़ी।

उसे तुरंत सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे और हंगामा शुरू कर दिया। स्थिति को देखते हुए अस्पताल में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। सदर एएसपी शिवम धाकर मौके पर कैंप कर रहे हैं। वे परिजनों को शांत कराने का प्रयास कर रहे हैं।

जांच के लिए एसआईटी गठित : एएसपी ने बताया कि यह घटना पुरानी रंजिश का नतीजा है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एसआईटी का गठन किया गया है।

इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पटना में मौजूद 27 पाकिस्तानियों को लौटना होगा, शादी और बीमारी बताकर बढ़ाया था वीजा

बिहार विधानसभा चुनाव महागठबंधन ने चार समितियां बनाईं, 4 मई को बड़ी बैठक

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर पटना में गुरुवार को हुई महागठबंधन की दूसरी बैठक में कई निर्णय लिए गए। बैठक के बाद राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव ने बताया कि महागठबंधन ने आगामी चुनाव को लेकर घटक दलों की 4 नई साझा समितियां बनाई हैं। इनका नाम अभियान, चुनाव घोषणा पत्र, मीडिया और सोशल मीडिया कमिटी रखा गया है। इनमें आरजेडी, कांग्रेस, वीआईपी, सीपीआई, सीपीएम और सीपीआई माले के नेता शामिल रहेंगे। इसके अलावा 4 मई को महागठबंधन की एक बड़ी बैठक बुलाई गई है। इसमें सभी घटक दलों के जिलाध्यक्ष, सांसद, विधायक, एमएलसी मौजूद रहेंगे। तेजस्वी यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि 4 मई को होने वाली बैठक की जगह बाद में तय की जाएगी।

उन्होंने दावा किया कि सभी जिलों में महागठबंधन के घटक दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच पूरी तरह तालमेल रहेगा। गठबंधन के नेता और कार्यकर्ता सरकार की खामियों को मिल कर उजागर करेंगे। बता दें कि महागठबंधन की पहली बैठक 17 अप्रैल को पटना स्थित आरजेडी दफ्तर में हुई थी। उस बैठक में सभी घटक दल के नेताओं ने एक कोऑर्डिनेशन कमिटी गठित करने का फैसला लिया था। इस कमिटी का अध्यक्ष तेजस्वी यादव को बनाया गया। आगामी बिहार चुनाव से जुड़े महागठबंधन के सभी तरह के फैसले यही कमिटी लेगी।

पटना में मौजूद 27 पाकिस्तानियों को लौटना होगा, शादी और बीमारी बताकर बढ़ाया था वीजा

पटना, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानियों का वीजा रद्द करने की कार्रवाई तेज कर दी गई है। पटना जिले में 27 पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द किया गया है। सभी को जिले की विदेश शाखा से पाकिस्तान लौटने को कहा गया है। इस आदेश की कोई अवहेलना करता है तो तत्काल उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। कोर्ट के आदेश के बाद पाकिस्तानी नागरिकों को डी-बोर्ड भी किया जा सकता है। अधिकतर पाक नागरिकों ने शादी और बीमारी का हवाला देकर वीजा की अवधि बढ़ाई थी और यहीं रह रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार, इस समय पटना जिले में कुल 27 पाकिस्तानी नागरिक एक्सटेंशन वीजा पर रह रहे हैं। सबसे अधिक पाकिस्तानी नागरिक सब्जीबाग, समनपुरा और फुलवारीशरीफ मोहल्ले में ठहरे हुए हैं। ये सभी अपने रिश्तेदारों के यहां आए थे। सूत्र बताते हैं कि पाकिस्तानी नागरिक पटना में 3 से 7 दिनों के वीजा पर पटना आए थे। बाद में सभी ने अपने वीजा का एक्सटेंशन करवा लिया। किसी ने रिश्तेदार की शादी, तो किसी ने तबीयत बिगड़ने की बात कहकर वीजा का समय बढ़वाया था। दूसरी ओर ये लोग किन-किन जगहों पर गए और वे किनके साथ रह रहे थे, किन जगहों की तस्वीर खींची है, इसकी पूरी जानकारी स्पेशल ब्रांच की टीम ले रही है।

स्थानीय थाने के जरिए कार्रवाई

पटना में ठहरे पाकिस्तानी नागरिकों को भारत से वापस जाने के लिए स्थानीय थाने के जरिए नोटिस दिया गया है। वे कैसे लौटेंगे, इसकी भी जानकारी मांगी गई है। अगर फ्लाइट से पाक लौटना है तो टिकट और बोर्डिंग पास की फोटो कॉपी स्थानीय थाने को उपलब्ध करानी होगी। इसके अलावा दो लोगों की गवाही भी जरूरी है। ट्रेन के रास्ते पाकिस्तान जाने वाले लोगों को भी टिकट की फोटो कॉपी देनी होगी।

कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने अमित शाह की तुलना भगवान शिव से की

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदीप मिश्रा के खिलाफ की नारेबाजी

मधेपुरा, एजेंसी। मधेपुरा के सिंहेश्वर में शिव महापुराण कथा चल रही है। इस दौरान कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की तुलना भगवान शिव से की। उन्होंने कहा कि अमित शाह कलयुग में शिव का रूप हैं। उनकी मौनता और शांति के बाद तांडव जरूर देखने को मिलेगा। मुझे विश्वास है कि आतंकियों का अंत होगा। पंडित मिश्रा ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए 24 अप्रैल को अपने फेसबुक पेज पर एक वीडियो पोस्ट किया। जो अब वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने हमले की कड़ी निंदा की। साथ ही कहा है कि आतंकियों ने जाति नहीं देखी, सिर्फ हिंदू होने के आधार पर लोगों को निशाना बनाया। कथावाचक ने एक नवविवाहित युवक का उदाहरण दिया, जिसकी शादी को सिर्फ 8 दिन हुए थे। वह कश्मीर घूमने गया था, जहां उसकी गोली मार कर हत्या कर दी गई। उसकी पत्नी आज रोती-बिलखती दिख रही है। एनएसयूआई ने कथावाचक का पुतला जलाया है और कहा है कि इन्होंने शिव भक्तों का अपमान किया है।

शास्त्र से जरूरी है शस्त्र : कथा के दौरान पंडित मिश्रा ने कहा कि अब समय आ गया है कि हर घर के बेटे-बेटियों को शस्त्र चलाना आना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह जरूरी नहीं कि घर में शास्त्र है या नहीं, लेकिन बच्चों को शस्त्र चलाना आना चाहिए। उनके इस बयान पर कथा स्थल पर मौजूद लोगों ने तालियों से समर्थन जताया। हालांकि, सोशल मीडिया पर पंडित मिश्रा का यह बयान विवाद का कारण बन गया है। कई यूजर्स ने एक जीवित राजनेता की तुलना भगवान शिव से करने को अनुचित और महादेव का अपमान बताया। कुछ ने उन्हें भाजपा का प्रचारक कहा है। एक यूजर ने लिखा कि यह कथावाचन नहीं, राजनीतिक प्रचार है। कुछ अन्य यूजर्स ने इसे धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ बताया। बता दें कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 28 लोगों की जान गई है। मृतकों में अधिकांश पर्यटक है। इस घटना ने देश भर में आक्रोश पैदा किया है।

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदीप मिश्रा के खिलाफ की नारेबाजी : कॉलेज चौक पर गुरुवार की रात एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन सिंहेश्वर स्थान में आयोजित शिव महापुराण कथा के दौरान प्रदीप मिश्रा के दिए गए एक बयान के विरोध में है। जिसमें उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बाबा भोलेनाथ का कलयुगी अवतार बताया था। बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद गहरा गया है। पुतला दहन के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदीप मिश्रा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि भगवान शिव की नगरी सिंहेश्वर में अमित शाह की तुलना बाबा भोलेनाथ से करना सरासर अपमानजनक है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष निशांत यादव ने कहा, प्रदीप मिश्रा कोई कथावाचक नहीं, बल्कि आरएसएस और भाजपा के एजेंट हैं। वे सत्संग के नाम पर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। अमित शाह को भगवान शिव का अवतार बताकर उन्होंने शिव भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है।

निशांत यादव ने आगे कहा कि यह पहली बार नहीं है, जब प्रदीप मिश्रा ने विवादित बयान दिया हो। उन्होंने दावा किया कि इससे पहले मिश्रा ने राधा-कृष्ण के बारे में अभद्र टिप्पणी की थी, जिसके चलते उन्हें मथुरा में माफी मांगनी पड़ी थी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर प्रदीप मिश्रा जल्द ही सिंहेश्वर स्थान के बाबा भोलेनाथ मंदिर में शिव भक्तों से माफी नहीं मांगते और जिला प्रशासन इस मामले में कार्रवाई नहीं करता, तो एनएसयूआई चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगी।

संक्षिप्त समाचार

जनता के दरबार में जिला प्रशासन कार्यक्रमः 80 मामलों की सुनवाई, शीघ्र निष्पादन का निर्देश

बीएनएम। मोतिहारीः समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन सभागार में आज "जनता के दरबार में जिला प्रशासन" कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के विभिन्न अंचलों से आए नागरिकों की समस्याओं पर सुनवाई की गई। कार्यक्रम में कुल 80 आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्राप्त आवेदनों पर संज्ञान लिया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि सभी शिकायतों का विधिसम्मत और शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक मामले में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करें। आज के कार्यक्रम में भूमि विवाद, अतिक्रमण और राजस्व विभाग से संबंधित अधिकतर आवेदन प्राप्त हुए। इन मामलों के शीघ्र निष्पादन हेतु जिलाधिकारी ने प्रभारी पदाधिकारी, जिला जन शिकायत कोषांग को आवश्यक निर्देशों के साथ आवेदन संबंधित विभागों को अग्रेषित करने का आदेश दिया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी के साथ-साथ अपर समाहर्ता श्री मुकेश कुमार सिंहा, अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) श्रीमती राजेश्वरी पाण्डेय तथा अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याएं गंभीरतापूर्वक सुनीं और त्वरित समाधान का भरोसा दिलाया।

मानवधिकार आयोग पहुंचा मोतिहारी पुलिस की शिकायत

बीएनएम। मोतिहारी। जिला पुलिस की कार्यशैली के विरूद्ध मानवाधिकार आयोग में शिकायत की गयी है।मामला कुंडवा चैनपुर थाना के जटवलिया गांव से जुड़ा है। जहां एक बुजुर्ग कपिलदेव दुबे के बंद घर में 13 अप्रैल की रात लूटपाट व बम विस्फोट की घटना हुई थी। इस मामले में पुलिस ने उन्हें व उनकी पत्नी मालती देवी को ही आरोपित बना दिया है।जिसको बाद कपिलदेव दुबे ने मानवधिकार आयोग से गुहार लगाते कहा है,कि मेरे द्धारा प्राथमिकी के लिए दिए गए आवेदन पर पुलिस कोई कार्रवाई नहीं की गई और पुलिस अब मुझे और मेरे पत्नी को ही आरोपित बना दिया। जिसकी शिकायत वरीय अधिकारियों से शिकायत करने पर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। पीड़ित परिवार ने पुलिस की कार्यशैली के विरुद्ध बिहार राज्य और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में अलग-अलग याचिका दाखिल की है। याचिका दाखिल करने में कानूनी सहायता दे रहे मानवाधिकार मामले के अधिवक्ता एसके झा ने बताया कि कपिलदेव दुबे ने अपनी पोती की शादी के लिए गहना, कपड़ा व बर्तन घर में रखा था। दो महीने से वे अपने परिवार के साथ बाहर थे। इस बीच उन्हें जानकारी मिली कि 13 अप्रैल की रात लगभग 11 बजे गांव के कुछ लोगों ने उनके घर में लूटपाट की गई और बम विस्फोट किया गया। इसकी जानकारी मिलने पर जब वे घर पर आए तो आरोपितों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने के लिए कुंडवा चैनपुर थाना में आवेदन दिया। उन्होंने आरोप लगाया गया है कि कांड के असली आरोपितों के मेल में आकर पुलिस उनके आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज नहीं की। उल्टे उन्हें और उनकी पत्नी के विरुद्ध ही प्राथमिकी दर्ज कर आरोपित बना दिया। इससे उन्हें मानसिक पीड़ा पहुंची है और बेवजह केस पर पैसा खर्च करना पड़ रहा है। उन्होंने इसकी शिकायत पूर्वी चंपारण के एसपी से भी की, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। थक हारकर उन्हें मानवाधिकार आयोग की शरण में जाना पड़ा।फिलहाल मानवधिकार आयोग इस पर आगे क्या कारवाई करता है,देखना दिलचस्प होगा।

20 सूत्री की पहली बैठक बुलाने को लेकर बीडीओ को ज्ञापन सौंपा

बीएनएम। तुरकौलिया। आगामी 7 मई को तुरकौलिया 20 सूत्री की बैठक के लिए अध्यक्ष वीरेंद्र कुशवाहा, उपाध्यक्ष अजय पटेल के नेतृत्व में के साथ सदस्यों ने बीडीओ को ज्ञापन सौंपा है। प्रखंड अध्यक्ष बीरेंद्र कुशवाहा ने बताया है कि कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति की बैठक करने के लिए बीडीओ को ज्ञापन सौंपा गया है। बैठक में अनुमंडलीय स्तरीय प्रशासनिक पदाधिकारी, तकनीकी पदाधिकारी एवं प्रखंड स्तरीय प्रशासनिक पदाधिकारी, तकनीकी पदाधिकारी को सूचना देकर बैठक में बुलाने को कहा गया है। बीडीओ प्रियांशी प्रिया ने बताया की एक ज्ञापन बैठक के लिए 20 सूत्री के नवमनोनित सदस्यों से मिला है। जिसे लेकर संबंधित पदाधिकारी को सूचना दिया जाएगा। ताकि बैठक में सभी लोग उपस्थित रहे। उपाध्यक्ष अजय पटेल ने अध्यक्ष सहित सभी सदस्यों को सम्मनित किया। कहा कि मिलकर जनता से जुड़ी योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए काम किया जाएगा। साथ ही प्रखंड में चल रहे योजनाओं की मॉनिटरिंग भी की जायेगी। जनता मालिक है। उनकी हर तरह के समस्याओं से निदान दिलाने का काम यह कमिटी करेंगी। मौके पर अध्यक्ष बीरेंद्र कुशवाहा, उपाध्यक्ष अजय पटेल, सदस्य संजय कुमार, श्यामकिशोर शर्मा, रुस्तम आलम, रमाकांत उपाध्याय, गोरख साह, पूजा देवी, विनय कुमार, रामजीत पासवान आदि मौजूद थे।

आतंकी हमले में मारे गए भारतीय नागरिको को दी गई श्रद्धांजलि

बीएनएम। मोतिहारी

इंडिया गठबंधन पूर्वी चंपारण के तरफ से नगर के गांधी संग्रहालय से लेकर मुख्य मार्ग से गुजरते हुए मीना बाजार गांधी चौक तक हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष भारतीय नागरिकों को श्रद्धांजलि समर्पित करने हेतु शुक्रवार की संध्या में कैंडिल मार्च निकाला गया। इस कैंडल मार्च में इंडिया गठबंधन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता के साथ आम जनता भी शरीक हुए। गठबंधन के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इस घटना के लिए सरकार की नीतियों और सुरक्षा में चूक को जिम्मेदार ठहराया है। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, छात्र, युवा और महिलाएं भी शामिल हुए। लोगों ने हाथों में बैनर, पोस्टर और तख्तियां लिए हुए थे, जिन पर "न्याय चाहिए", "सरकार जवाब दो", "निर्दोषों की हत्या बंद करो" जैसे विभिन्न नारे लिखे हुए थे। इस मौके पर पूर्वी चंपारण कांग्रेस जिला अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय ने कहा कि यह सिर्फ पहलगांव की घटना नहीं, बल्कि पूरे देश में बढ़ती असुरक्षा का प्रतीक है। केंद्र सरकार अपने ही नागरिकों की सुरक्षा करने में विफल हो चुकी है। देश के नागरिक अब सवाल पूछ रहे हैं, लेकिन सरकार जवाब देने के बजाय चुप्पी साधे हुए है। आज का यह मार्च उसी चुप्पी को तोड़ने का प्रयास है। कहा कि बहुत ही निंदनीय घटना है। आतंकवाद देश से खत्म होना चाहिए। आतंकवादियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए साथ ही साथ मृतकों के परिजनों को सरकार के तरफ से सहयोग होना चाहिए। भविष्य में इस तरह कोई घटना नहीं दोहराया जाए इसके लिए सरकार को सख्त कदम उठाना होगा। उक्त अवसर पर कैंडल मार्च में विजय शंकर पांडे, शैलेंद्र कुमार सिंह, किरण कुशवाहा, औसैंदूर रहमान खान, विनय सिंह, डॉ. आशीष रंजन, डॉ. आदर्श आनंद, आबिद हुसैन, बजेंद्र तिवारी, ललन राम, मुन्नी साहनी, आबिद हुसैन मुखिया, सत्येंद्र नाथ तिवारी, चूमन जायसवाल, रंजीत पांडे, रमेश श्रीवास्तव, रंजन शर्मा, अरुण प्रकाश प्रकाश पांडे, मेयर प्रीति कुमारी, राजद से प्रधान महासचिव सुरेश साहनी, प्रदेश उपाध्यक्ष, पंचायती राज प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय जनता दल (बिहार) पवन कुमार यादव, सत्येंद्र मिश्रा, सीपीआई जिला सचिव विश्वनाथ यादव, अजय चौधरी, संजय निराला, अरुण कुशवाहा, लाल बाबू खान, जावेद अहमद, मुन्नी लाल यादव, कुमार शिवम साह, अरुण यादव, अमरेंद्र यादव, मुन्ना पंडित, मनोज अकेला, सोनू पांडे, असलम अहमद, प्रेम यादव, पूनम देवी, मनोज गुप्ता, मिलन यादव, मुख्तार आलम, शंभू शरण सिंह, शबनम खातून सहित अन्य सैकड़ों लोग शामिल रहे।

छः पियक्कड़ और एक शराब कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी/हरसिद्धि

पुलिस ने गुरुवार के रात थाना क्षेत्र के विभिन्न जगह पर छापेमारी कर छः पियक्कड़ और एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया, इस कार्रवाई से कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है, पुलिस ने सभी आरोपियों को बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि गिरफ्तार शराब कारोबारी की पहचान राम अयोध्या यादव पिता दसई यादव मठलोहियार हीर टोली के रूप में हुई है। वहीं गिरफ्तार पियक्कड़ों में हीरा सहनी मलाही टोला, अभय कुमार एवं ओमप्रकाश कुमार धनखरईया, ललन कुमार सोनबरसा, लालबाबू सहनी दुदही मलाई टोला और मुन्ना कुमार शामिल है। छापेमारी अभियान में थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा के साथ अपर थाना अध्यक्ष मनीष राज, दरोगा राजेश कुमार, संजय सिंह, अनिल कुमार, राजीव रंजन कुमार, अविनाश कुमार, महिला दरोगा सीमा कुमारी, संतोषी कुमारी, विभा भारती एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पहलगाम आतंकी हमले में मृतकों की आत्मा की शांति के लिए किया गया हवन-पाठ

गुरुकुल आश्रम में शांति प्रार्थना, मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित

बीएनएम। मोतिहारी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में निर्दोष पर्यटकों की नृशंस हत्या से आहत देवराहा बाबा गुरुकुल, मोतिहारी के सदस्यों ने शुक्रवार की सुबह आश्रम परिसर में हवन और शांति पाठ का आयोजन कर मृतकों की आत्मा की शांति तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना की। आश्रम अध्यक्ष विनय कुमार शर्मा ने कहा कि यह हमला पूरे देश के लिए पीड़ादायक है। "जिन परिवारों पर यह दुख का पहाड़ टूटा है, उनकी पीड़ा को हम अनुभव कर सकते हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे मृत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और दोषियों को उनके कर्मों का दंड अवश्य मिले।" आश्रम सचिव डॉ. जय गोविंद प्रसाद ने जानकारी दी कि वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पुजारी सुधीर पांडे ने हवन-पाठ संपन्न कराया। इसके बाद सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने राम नाम जप और दो मिनट का मौन रखकर मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सह सचिव राम भजन, व्यास राकेश कुमार, पप्पू कुमार, अजय कुमार, चंद्रशेखर प्रसाद, दिलीप केसरी, अशोक कुमार सिंह सहित कई श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए खेल है जरूरी : जिलाधिकारी

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा मसाल 2024, विद्यालय स्तरीय खेल प्रतियोगिता के शुभारंभ राजकीय मध्य विद्यालय लुटअहा मोतिहारी में किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी के द्वारा उपस्थित बच्चों को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम बच्चों को शुभकामनाएं दी और इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की बात कही। जिलाधिकारी ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद का जीवन में बड़ा महत्व है। खेल से न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक विकास भी होता है। खेल कूद में अच्छा करने वाले प्रायः पढ़ाई में भी अच्छा करते हैं। आज खेल कूद के क्षेत्र में भी करियर आगे बढ़ाने की बड़ी संभावनाएं हैं। राज्य सरकार भी खेल को बढ़ावा दे रही है और इसके लिए पंचायत स्तर तक इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जा रहा है। जिलाधिकारी के द्वारा शिक्षा विभाग के पदाधिकारी को अपनी देखरेख में इस आयोजन को संपन्न कराने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि गर्मी को देखते हुए यह आयोजन सुबह में ही कर लिया जाए, अगर जरूरत पड़े तो स्वास्थ्य विभाग से समन्वय बनाकर जरूरी आकस्मिक किट भी उपलब्ध रखा जाए। डीएम ने इस अवसर पर सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि मसाल 2024, विद्यालय स्तरीय खेल प्रतियोगिता में पूर्वी चंपारण जिला ने 100019 बच्चों का पंजीकरण कर पूरे बिहार में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस प्रतियोगिता का आयोजन सभी विद्यालयों में दिनांक 27 अप्रैल तक किया जाना है। इस क्रम में सभी विद्यालयों में पांच खेलों-एथलेटिक्स,कबड्डी, फुटबॉल, साइकलिंग एवं वॉलीबॉल का आयोजन कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह खेल बच्चों में प्रतिभा को तलाशने और तराशने के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता को भी प्रोत्साहित करेगी और हमें विश्वास है कि पूर्वी चंपारण के खिलाड़ी राज्य स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के अन्य पदाधिकारी सहित विद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित थे।

महिला संवाद कार्यक्रम से गूंजे सपने और आकांक्षाएं, हजारों महिलाओं ने की भागीदारी

बीएनएम। मोतिहारी

बिहार सरकार की महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अहम पहल महिला संवाद कार्यक्रम पूर्वी चंपारण जिले में लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। कार्यक्रम के आठवें दिन जिले के सभी 27 प्रखंडों के 56 चयनित ग्राम संगठनों में सफल आयोजन हुआ। अब तक 420 ग्राम संगठनों में यह संवाद कार्यक्रम सम्पन्न हो चुका है, जिसमें एक लाख से अधिक महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी की है। इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सरकार की योजनाओं की जानकारी सीधे प्रदान की जा रही है। साथ ही महिलाएं भी इन योजनाओं से हुए लाभ को साझा कर रही हैं और उन्हें और बेहतर बनाने के लिए सुझाव दे रही हैं। यह मंच महिलाओं के लिए केवल जानकारी का जरिया नहीं, बल्कि उनकी आवाज को सरकार तक पहुँचाने का माध्यम बन चुका है। ग्राम संगठन स्तर पर चल रहे इस कार्यक्रम में महिलाओं की अपेक्षाएं, समस्याएं और विकास के सुझाव गंभीरता से सुने जा रहे हैं। बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं जैसे कि महिला आरक्षण, जीविका, नशामुक्ति अभियान, बाल विवाह व दहेज प्रथा उन्मूलन, मुख्यमंत्री मेधावृत्ति योजना और बालिका पोशाक योजना से संबंधित जानकारी महिलाओं को वीडियो फिल्मों के माध्यम से दी जा रही है। रक्सौल प्रखंड के अंतर्गत आकाश जीविका महिला ग्राम संगठन और बिहार जीविका महिला ग्राम संगठन, परसौना तापसी और लौकरिया पंचायत में आयोजित संवाद कार्यक्रम में सैंकड़ों महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर प्रखंड स्तरीय नोडल पदाधिकारी, टीम लीडर और जीविका के बीपीएम विक्रम कुमार उपस्थित रहे। जिला परियोजना प्रबंधक गणेश पासवान ने जानकारी दी कि जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देशन में प्रतिदिन इस कार्यक्रम की मॉनिटरिंग की जा रही है। जिलाधिकारी का यह भी निर्देश है कि गैर-जीविका से जुड़ी महिलाओं को भी संवाद कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाए, ताकि सभी की आकांक्षाएं संग्रहित कर आगे की योजना बनायी जा सके। सुबह और शाम, प्रतिदिन 56 स्थानों पर यह कार्यक्रम जिला प्रशासन की निगरानी में आयोजित हो रहा है। संवाद के दौरान लोक कल्याणकारी योजनाओं पर आधारित फिल्में महिला संवाद रथ के माध्यम से दिखाई जा रही हैं और योजनाओं से संबंधित पर्चे भी वितरित किए जा रहे हैं। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी यह दर्शाती है कि बिहार में महिला सशक्तिकरण अब केवल नारा नहीं, एक वास्तविकता बनता जा रहा है। यह कार्यक्रम न केवल महिलाओं की आवाज को मजबूती दे रहा है, बल्कि राज्य के समग्र विकास की ओर एक सशक्त कदम भी साबित हो रहा है।

बिहार-नेपाल सीमा के रक्सौल से अमेरिकी नागरिक गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के नेपाल सीमा से सटे रक्सौल से एक अमेरिकी नागरिक को आव्रजन (इमिग्रेशन) विभाग ने जांच के दौरान पकड़ा है। उक्त अमेरिकी नागरिक रक्सौल बॉर्डर के रास्ते भारत से नेपाल जा रहा था। गिरफ्तार अमेरिकी युवक की पहचान एटन बेन पिता याकूब बेन अब्राहम, 39,456, वर्जीनिया, अमेरिका के रूप में हुई है। आव्रजन विभाग के अनुसार उक्त अमेरिकी नागरिक नेपाल से भारत मे आने के दौरान अक्टूबर 2024 में रक्सौल इमिग्रेशन में इंट्री के लिए आया था। मगर, रक्सौल इमिग्रेशन ने टूरिस्ट वीजा की निर्धारित 180 दिन की समय सीमा समाप्त देखकर रिफियूजल स्टाम्प लगा कर वापस नेपाल भेज दिया था। यह अमेरिकी नागरिक अवैध रूप से भारत में 288 दिन रहने के बाद 25 अप्रैल, 2025 को एक बार फिर भारत से नेपाल जाने का प्रयास करता पकड़ा गया है। जिसे आव्रजन विभाग ने हरैया थाना पुलिस सौंप दिया है। हरैया थानाध्यक्ष किशन पासवान के अनुसार पुलिस व सुरक्षा एजेंसी इसकी संदिग्ध गतिविधि की जांच में जुटी है।

बिहार आईएमए अध्यक्ष डॉ. आशुतोष शरण का भव्य सम्मान समारोह संपन्न

मॉ कौशल्या देवी ट्रस्ट के तत्वावधान में एमकेडी पब्लिक स्कूल, मोतिहारी में हुआ आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए), बिहार के नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. आशुतोष शरण के सम्मान में गुरुवार को एमकेडी पब्लिक स्कूल परिसर में एक भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन मॉ कौशल्या देवी एजुकेशनल एंड डेवलपमेंट ट्रस्ट, मोतिहारी के तत्वावधान में संपन्न हुआ। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसमें डॉ. चंद्रलता झा, डॉ. जे.एन. गुप्ता, डॉ. स्वस्ति सिन्हा, डॉ. सी.बी. सिंह, डॉ. तबरेज अज़ीज़ सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. चंद्रलता झा ने की, जबकि संचालन प्रो. (डॉ.) अरुण कुमार ने किया। डॉ. अतुल कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि "इंटेलेक्चुअल्स का नेतृत्व करना बड़ी बात है और डॉ. आशुतोष शरण इसका प्रतिमान हैं।" डॉ. विनय कुमार सिंह ने उन्हें चंपारण की धरोहर बताया, वहीं प्रो. रामनिरंजन पाण्डेय ने उनकी उपलब्धियों को स्व. डॉ. शंभू शरण की विरासत से जोड़ते हुए गहरी भावनाएं प्रकट कीं। डॉ. तबरेज अज़ीज़ ने आईएमए अध्यक्ष पद को चंपारण और चिकित्सा जगत के लिए गर्व की बात बताया। डॉ. सी.बी. सिंह ने आशा जताई कि भविष्य में डॉ. आशुतोष राष्ट्रीय स्तर पर भी नेतृत्व करेंगे। भावुक डॉ. आशुतोष शरण ने कहा, "आज महसूस हो रहा है कि जीवन में मां-बाप के बाद हमारे अभिभावक, रिश्तेदार और मित्र ही असली संबल होते हैं। डॉ. चंद्रलता झा के करकमलों से सम्मानित होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।" अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ. चंद्रलता झा ने डॉ. आशुतोष को डॉ. शंभू शरण की छवि बताया और कहा कि उनके सम्मान में यह समारोह उनके हृदय की आवाज है। इस अवसर पर डॉ. नीना झा, डॉ. सुमीत गुप्ता, डॉ. धीरज शर्मा, डॉ. चाँदनी सिंह सहित कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अभिलाषा झा ने किया।

जिले के कई स्वास्थ्य केंद्रों में मनाया गया विश्व मलेरिया दिवस

» पीएसपी संग्रामपुर, एवं मधुबन के विद्यालय में छात्रों क़ो किया गया जागरूक
» सभी पीएचसी में मलेरिया की जांच व इलाज की सुविधाएं उपलब्ध है

» बचाव के लिए जरुरी है स्वछता एवं रात्रि में मछड़दानी का प्रयोग

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में विश्व मलेरिया दिवस के मौके पर स्वास्थ्य केंद्रों पर आम व्यक्तियों क़ो व विद्यालय में बच्चों क़ो जागरूक करते हुए आज 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया साथ ही कई लोगों का किट के माध्यम से जाँच भी किया गया।इस सम्बन्ध में जिले के सिविल सर्जन डॉ रविभूषण श्रीवास्तव ने कहा की मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से यह रोग होता है जिसका समय पर ईलाज आवश्यक है, समय पर ईलाज नहीं करवाने से यह भी एक जानलेवा बीमारी बन सकता है। वहीं डीपीडीसीओ डॉ शरत चंद्र शर्मा ने बताया की मलेरिया से संक्रमित व्यक्ति को मच्छर के काटने के 6 से 8 दिन के बाद लक्षण दिखाई देते हैं। इसमें तेज बुखार, थकान, सिर दर्द, पेट में दर्द, चक्कर आना, बेहोशी आना, एनीमिया, मांसपेशियों के दर्द, उल्टियां होने जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।उन्होंने बताया कि जिले के सभी पीएचसी में मलेरिया की जांच व इलाज की सुविधाएं उपलब्ध है। इससे घबराने की जरूरत नहीं है।

विश्व मलेरिया दिवस पर हुआ कार्यक्रम का आयोजनः- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इजरा संग्रामपुर में सीएचओ भीखाराम की अध्यक्षता में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ वहीं 7 लोगों की जाँच हुई। सीएचओ, एएन एम,आशा, शिक्षकों के सहयोग से पीएसपी द्वारा उत्कर्मित माध्यमिक विद्यालय इजरा में 300 से अधिक छात्रों क़ो मलेरिया व एईएस से बचाव की जानकारी दी गईं। वहीं मधुबन प्रखंड के उच्च माध्यमिक विद्यालय ,जितउरा ,मधुबन एवं एचडब्लूसी जितउरा में कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अवसर पर लोगों क़ो मलेरिया के लक्षण व इससे बचाव की जानकारी दी गई।भीडीसीओ राकेश कुमार ने बताया की वर्ष 2023 में 25, 2024- 31, 2025- 3 केस मिले है। आशाओ क़ो मलेरिया जाँच का प्रशिक्षण दिया जा चूका है वे किट के द्वारा आसानी से जाँच कर सकती है। भीबीडीएस रविंद्र कुमार,धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि स्वच्छता व सावधानियों को बरत कर हम सभी लोग मलेरिया से बच सकते हैं। घरों, खुले स्थानों इत्यादि के आसपास गंदगी होने के कारण वहां मच्छर पनपते हैं। इसके बाद वह इंसानों को काटकर उन्हें मलेरिया से संक्रमित कर देते हैं। इसलिए मलेरिया से बचाव के लिए आवश्यक है कि अपने घर के पास साफ सफाई रखें व मच्छर पनपने वाले स्रोतों को नष्ट करें।मच्छरदानी और मच्छररोधी क्रीम का इस्तेमाल करें व पूरी बांह के कपड़े पहनें।

संक्षिप्त समाचार

श्रद्धांजलि सभा आयोजित

बीएनएम। लखीसराय। शहर के बाजार समिति के निकट संत जॉन्स स्कूल में शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा मारे गए भारतीय टूरिस्टों की याद में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।इस मौके पर स्कूल के निदेशक राजेश शर्मा ने कहा कि निर्दोष पर्यटकों की हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। हमारे स्कूल परिवार की ओर से भी गहरी संवेदना व्यक्त की गई है।विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण और छात्रों ने मिलकर मोमबत्तियां जलाईं और दो मिनट का मौन रखकर मृत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। निदेशक ने ईश्वर से मृतकों के परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य और संबल प्रदान करने की कामना की।

27 को होगी जदयू की बैठक

बीएनएम। लखीसराय। शहर के नया बाजार आर लाल कॉलेज स्थित अशोक सम्राट भवन परिसर में 27 अप्रैल रविवार को जिला जदयू की एक बैठक आयोजित की जायेगी। बैठक में जिलाध्यक्ष के साथ जिला कमेटी के सभी पदाधिकारी, सभी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। इसकी जानकारी जिला अध्यक्ष रामानंद मंडल ने देते हुए कहा कि वैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी तथा पार्टी को मजबूत करने, कार्यकर्ताओ की समस्याओ पर चर्चा किया जायेगा। उन्होंने कहा की बैठक में पार्टी के कार्यकर्ताओ से सम्मान के साथ उनकी समस्या सुना जायेगा और निपटारा किया जायेगा।

कायस्थ महाकुंभ कार्यक्रम को लेकर जनसम्पर्क अभियान

बीएनएम। जमुई/झाझा। 27 अप्रैल को जिला मुख्यालय स्थित जय शगुन वाटिका में ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस की ओर से कायस्थ महाकुंभ कार्यक्रम आयोजित की जाएगी। जिसको लेकर कायस्थ समाज के गठित संगठन के जिलाध्यक्ष प्रवीण सिन्हा की ओर से झाझा में कायस्थ समाज के लोगों के बीच जनसंपर्क अभियान चलाया गया। जानकारी देते हुए संगठन के प्रखंड अध्यक्ष सुधीर कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जिलाध्यक्ष व अन्य लोग चांय, पुरानी बाजार, सोहजाना एवं अन्य जगह जहां पर कायस्थ समाज के लोग रहते है उन सभी लोगों के बीच जनसंपर्क अभियान चलाकर उन्हें कायस्थ महाकुंभ कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज करने की अपील की गई। प्रखंड अध्यक्ष ने बताया कि कार्यक्रम में ग्लोबल अध्यक्ष डॉक्टर राजीव रंजन प्रसाद, प्रबंध न्यासी रागनी रंजन, युवा प्रदेश अध्यक्ष बिहार राहुल मणि, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉक्टर न्रमता आंनद, ग्लोबल उपाध्यक्ष सह प्रदेश अध्यक्ष दीपक अभिषेक मुख्य रूप से उपस्थित होंगे। कायस्थ महाकुंभ कार्यक्रम में कायस्थ समाज की एकता, मजबूती से लेकर कायस्थ समाज के उत्थान सहित अन्य कई मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

क्यूआर स्कैनर बोर्ड से पता चलेगी दवा की उपलब्धता

बीएनएम। जमुई/झाझा। शुक्रवार को रेफरल अस्पताल परिसर में दवा काउंटर के बगल में ही क्यू आर स्कैनर बोर्ड लगा दिया गया। जिससे मरीज को अस्पताल में कौन सी दवा स्टॉक में है और कौन सा नही जानकारी मिल सके। सरकारी अस्पताल को हाईटैक करने की प्रक्रिया में की गई कई बदलाव में एक सुविधा रेफरल अस्पताल झाझा को मिल गया। पहले मरीज को अस्पताल में मिलने वाली दवा को लेकर लोगों के मन मे यह संकोच रहता था कि अस्पताल में दवा रहते हुए भी मरीज को संपूर्ण दवा नही मिल पा रहा है लेकिन मरीज की इस संकोच दूर कर दिया गया। रेफरल अस्पताल प्रबंधक ने कहा कि जल्द ही लोगों को हाथों में डॉक्टर द्वारा लिखा हुआ दवा नही मिलेगा बल्कि उसे अच्छी तरह एक पैकेट में बंद करके दवा उपलब्ध किया जाएगा। विभाग की ओर से पैकेट जब आएगा तो यह भी सुविधा मरीजों के बीच मुहैया हो जाएगा। इस संदर्भ में अस्पताल प्रबन्धक नवनीत कुमार ने बताया कि क्यू आर स्कैनर बोर्ड में मरीज अपने मोबाइल से स्कैन करेगे तो उनके मोबाइल पर रेफरल अस्पताल में दवा कौन कौन सी है उसके बारे में पूर्ण जानकारी आ जायेगी। इसके अलावे यह भी मरीज को पता चलेगा कि कौन कौन सी दवा जिला स्वास्थ्य विभाग में नही है। इस स्कैनर बोर्ड से मरीज को जिला से लेकर रेफरल अस्पताल तक के स्टॉक दवा की जानकारी मिल जाएगी।

विद्यालय संचालन समय में हो बदलाव : संघ

बीएनएम। लखीसराय। जिला माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष अरविंद कुमार भारती ने भीषण गर्मी को देखते हुए विद्यालय संचालन समय में बदलाव की मांग की है। उन्होंने जिलाधिकारी मिथिलेश मिश्र से आग्रह किया है कि विद्यालय का समय सुबह 6 बजे से 11 बजे तक किया जाए। वर्तमान व्यवस्था में विद्यालय दोपहर 12:30 बजे तक चलता है, जिससे छात्रों और शिक्षकों को गर्मी से स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें हो रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि समय में सुधार नहीं हुआ तो शिक्षकों की बीमारियों से विद्यालय संचालन प्रभावित होगा। इसलिए बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा हेतु विद्यालय समय को 11 बजे तक सीमित किया जाए।

बिहार पुलिस में प्रशासनिक फेरबदल, कुंदन कृष्णन को मिली अहम जिम्मेदारी

बीएनएम। पटना: बिहार पुलिस में सुधार की दिशा में राज्य सरकार ने तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। इस फेरबदल में 1994 बैच के कुंदन कृष्णन का नाम प्रमुख है, जिन्हें पुलिस मुख्यालय में अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) के पद पर नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही, पटना जिले की पुलिसिंग व्यवस्था की सीधी निगरानी का कार्य भी उनके हाथ में सौंपा गया है।केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से हाल ही में बिहार लौटे कुंदन कृष्णन अब हर महीने पटना का नियमित दौरा करेंगे। उनका कार्य पुलिस कार्यप्रणाली की समीक्षा करना होगा, जिसमें केसों का त्वरित निपटारा, जांच की गुणवत्ता, थाना निरीक्षण और जनता दरबार की क्रियाशीलता जैसी महत्वपूर्ण पहलुओं का मूल्यांकन किया जाएगा। समीक्षा के बाद वे अपनी विस्तृत रिपोर्ट डीजीपी को सौंपेंगे। इस व्यवस्था का उद्देश्य जिले की कानून-व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना और पुलिस प्रशासन में जवाबदेही और पारदर्शिता को बढ़ाना है। इसके अलावा, 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी पंकज दारद को एडीजी (विधि-व्यवस्था) नियुक्त किया गया है। उन्हें राज्य में केंद्रीय बलों के समन्वय की जिम्मेदारी भी दी गई है। वहीं, एडीजी कमल किशोर सिंह को पुलिस विभाग के बजट प्रबंधन का कार्य सौंपा गया है।यह प्रशासनिक फेरबदल बिहार पुलिस की कार्यप्रणाली में सुधार लाने और अधिकारियों के बीच जिम्मेदारी और जवाबदेही को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी की रैली पर पप्पू यादव की प्रतिक्रिया, कविता के जरिए उठाएं सवाल

बीएनएम। पटना: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मधुबनी में आयोजित रैली ने न सिर्फ प्रशासनिक घोषणाओं को लेकर चर्चा को जन्म दिया, बल्कि बिहार की सियासी जमीन पर भी नए सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेष रूप से पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने इस रैली पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए एक कविता का सहारा लिया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री के रैली आयोजित करने पर सवाल उठाए। पप्पू यादव की कविता में यह सवाल था कि जब देश गहरे शोक में डूबा हुआ है, तब क्या चुनावी रैलियों का आयोजन उचित है। कविता में उन्होंने लिखा, "यह अक्षम्य अपराध है, पूरा देश शोक में डूबा है, आप बिहार में आकर राजनीतिक रैली कर रहे हैं..." पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी मंच पर "हंसी-खुशी" के माहौल में नजर आए, जबकि कई परिवार अपूरणीय क्षति से जूझ रहे थे। उनका सवाल था कि क्या ऐसे शोक के माहौल में राजनीतिक सभा करना नैतिक रूप से सही था?हालांकि, सरकार की ओर से यह स्पष्ट किया गया कि मधुबनी का कार्यक्रम पूरी तरह सादगी से आयोजित किया गया था। न तो मंच पर किसी को माला पहनाई गई, न ही पारंपरिक स्वागत हुआ। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत में पहलगाम हमले में मारे गए भारतीय पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिजनों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की।

हरी खाद से बढायें मिट्टी की उर्वरा शक्ति: डॉ आशीष राय

बीएनएम। मोतिहारी

बिना सड़े पौधों का वह भाग जिसे हम मिट्टी में मिलाकर हरी खाद के रूप में उपयोग कर सकते हैं हरी खाद जैविक खेती का एक महत्वपूर्ण अवयव है इसका मुख्य उद्देश्य वायुमंडलीय नाइट्रोजन को मिट्टी में स्थिर करना एवं मिट्टी में कार्बनिक पदार्थ की मात्रा को बढ़ाना है।उक्त बाते जिला के परसौनी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा विशेषज्ञ डा.आशीष राय ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत के दौरान कही। उन्होने कहा कि असंतुलित रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग के कारण दिन प्रतिदिन मिट्टी की सेहत खराब हो रही है जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति का क्षरण हो रहा है। ऐसे में हरी खाद मिट्टी की सेहत के लिए बेहतर विकल्प है। हरी खाद मिट्टी को 17 पोषक तत्वों की आपूर्ति करने में सहायता करता है,साथ ही मिट्टी में हार्मोन तथा विटामिन की मात्रा भी बढ़ाता है। उन्होने बताया कि दलहनी फसलों को उनके वानस्पतिक वृद्धि काल में फूल आने के तुरंत बाद जुताई करके मिट्टी में अपघटन के लिए मिलाकर हरी खाद बनाया जा सकता है।

खाद के लिए किन दलहनी फसलों का करे चुनाव- हरी खाद के लिए दलहनी फसलें कृषि जलवायु प्रक्षेत्र के अनुसार ली जाती है। ये फसलें कम समय में ही बहुतायत मात्रा में कार्बनिक पदार्थ उपलब्ध कराती है। दलहनी फसलों की वृद्धि शीघ्र होती है जिसके कारण खरपतवार की वृद्धि नहीं हो पाती है तथा मिट्टी में शीघ्र ही सड़ने योग्य हो जाती है। जिसमे प्रमुख हरी खाद के लिए ढैंचा, सनई, लोबिया, ग्वार, उड़द और मूंग को शामिल किया जा सकता है। गन्ने की खेती में गन्ना एवं सनई की फसल को साथ लगाने से 40-50 दिन बाद गन्ने में मिट्टी में चढ़ाने के समय सनई को मिट्टी में मिला कर हरी खाद बनाया जा सकता है।

हरी खाद मिट्टी में कब मिलाये

» दलहनी फसलों की जड़ों में जब गुलाबी/लाल ग्रंथियों का निर्माण होने की दशा में उसको पलट कर मिट्टी में मिला देना चाहिए।

» मूंग में फलियों की तुड़ाई के पश्चात उसकी जुताई कर मिट्टी में मिलाकर हरी खाद तैयार कर सकते है।इसके लिए जुताई 15-20 सेमी की गहराई पर करे और फसल को मिट्टी में मिलाने के बाद खेत को पानी से भर देना चाहिए क्योंकि ज्यादा दिन हो जाने पर कड़ा हो जाने से इसके अपघटन की क्रिया सुचारू रूप से नहीं हो पाती है।

» फसल को मिट्टी में पलटने के पश्चात उसमें धान की रोपाई करे ऐसा करने से दोहरा लाभ मिलता है।क्योकी धान में नत्रजन की पूर्ति करने हेतु यूरिया का छिड़काव किया जाता है, उस क्रिया से हरी खाद की फसल के अपघटन में समय मिलता है।

» धान की फसल की पैदावार के साथ ही साथ अगली फसल के लिए पर्याप्त मात्रा में कार्बनिक पदार्थ उपलब्ध हो जाता है और मृदा संरचना में सुधार होता है तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी उपलब्धता बढ़ जाती है।

हरी खाद उपयोग के मायने

» बुवाई सही समय पर तथा सही बीज का उपयोग करना चाहिए।. मुख्य फसल से प्रतियोगिता ना हो इसका ध्यान रखा जाए

» फूल आने के पहले कटाई की जाए।

» पौधे के छोटे-छोटे टुकड़े में कटाई करनी चाहिए।

» मिट्टी में इसे अच्छे से दबा देना चाहिए। हरी खाद को मिट्टी में दबाने के 2 सप्ताह के अंदर मुख्य फसल की बुवाई करनी चाहिए ताकि आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व का नुकसान न हो।

हरी खाद से होने वाले प्रमुख लाभ- इससे मिट्टी में भौतिक एवं रासायनिक संरचना अच्छी होती है जिससे पानी का संचयन होता है। हरी खाद वायुमंडल में उपस्थित नाइट्रोजन को स्थिर करता है जिससे रासायनिक उर्वरकों की निर्भरता कम होती है। हरी खाद मिट्टी में गहरी जरी विकसित करता है जिसके कारण मिट्टी में वायु संचार अच्छा होता है और फंगस की बीमारी कम लगती है। सूक्ष्मजीवों के लिए यह खाद्य पदार्थ का काम करता है जो इन्हें खाकर बहुत तेजी से अपनी संख्या को बढ़ाते हैं जिससे अपघटन तेजी से होती है। हल्की तथा भारी दोनों प्रकार की मिट्टियों में कार्बनिक पदार्थ की वृद्धि से उपज में वृद्धि के साथ-साथ मिट्टी में हयूमस की मात्रा बढ़ने के कारण जल धारण क्षमता में वृद्धि होती है और पोषक तत्व भरपूर मात्रा में मिलता है। साथ ही यह अनावश्यक खरपतवारों को पनपने नहीं देता है जिससे मुख्य पौधा तेजी से बढ़ता है।

तुरकौलिया में स्कूटी को बोलेरो गाड़ी ने मारी ठोकर, दो शिक्षिका जख्मी

बीएनएम। तुरकौलिया

मोतिहारी - कोटवा मुख्य सड़क मार्ग पर शंकरसरैया टिकैता के समीप विपरीत दिशा से आ रही एक बोलेरो गाड़ी ने स्कूटी मे ठोकर मार दिया। जिससे स्कूटी पर सवार दो शिक्षिकायें जख़्मी हो गयी। ठोकर इतनी गंभीर थी कि स्कूटी पीछे से आ रही एक ट्रक के निचे समा गयी। लेकिन ट्रक चालक गाड़ी को बड़ी समझदारी से रोकने मे सफल रहा। जख्मी शिक्षिका पल्लवी राज नव सृजित प्राथमिक विद्यालय गहिरिपुर माधोपुर मे कार्यरत है। जबकि जख्मी शिक्षिका काजल कोटवा प्रखंड के नव सृजित प्राथमिक विद्यालय कोइरगवा हरिजन टोली मे कार्यरत है। दोनों को शिक्षकों व ग्रामीणों ने शहर के एक निजी नर्सिंग होम मे भर्ती कराया है। शिक्षक संघ के प्रखंड अध्यक्ष अरविन्द कुमार पाण्डेय, सचिव शिवकुमार यादव, शिक्षक ओमप्रकाश श्रीवास्तव, शिक्षक नेयाज अहमद, हेडमास्टर रूबी कुमारी अस्पताल मे पहुंच कर जख्मी साथिओं को बेहतर इलाज करने कि सिफारिस अस्पताल प्रबंधन से की। अध्यक्ष अरविन्द ने बताया कि शहर से एक स्कूटी पर शिक्षका पल्लवी व काजल स्कुल जा रही थी। स्कूटी काजल चला रही थी। घटना स्थल पर कोटवा की ओर से आ रही एक बोलेरो गाड़ी ट्रक से ओवरटेक कर आगे असंतुलित होकर शिक्षिका के स्कूटी मे ठोकर मार कर फरार हो गया। शिक्षिका पल्लवी रक्सौल की रहने वाली है। जबकि शिक्षिका काजल ढाका के भंडार की रहने वाली है। जख़्मी दोनों शिक्षिका के परिजन अस्पताल मे पहुंच गए है। परिजनों ने कहा कि शिक्षक साथिओं ने समय पर दोनों जख़्मी को अस्पताल मे पहुंचाने का काम किया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि आवेदन मिलने पर आगे की कारवाई की जाएगी। फिलहाल दोनों शिक्षिका का इलाज चल रहा है।

खाई में गिरी पुलिस की गाड़ी, SI समेत चार पुलिसकर्मी घायल

बीएनएम। पकड़ीदयाल

गुरुवार की देर रात जिले के पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र में पुलिस की गश्ती गाड़ी के खाई में गिर जाने से चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। यह हादसा छपरा बिहारी पुल के पास करीब रात 1:15 बजे हुआ। हादसे में एसआई रामदत्त, सिपाही श्वेता, सिपाही कंचन, और चालक राजमंगल साव घायल हुए हैं। इनमें चालक और सिपाही कंचन की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गश्ती दल नवादा से बैंक सुरक्षा जांच कर लौट रहा था। उसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने पुलिस गाड़ी को टक्कर मार दी, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। टक्कर के बाद गाड़ी पूरी तरह पलट गई। हादसे के बाद चालक राजमंगल साव ने साहस का परिचय देते हुए गाड़ी का शीशा तोड़कर सभी पुलिसकर्मियों को बाहर निकाला, लेकिन इसके तुरंत बाद वह खुद बेहोश हो गए। घायलों में राजमंगल साव (चालक), कंचन (सिपाही) श्वेता (सिपाही) और रामदत्त दरोगा शामिल है। सभी घायलों को तुरंत मोतिहारी सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन की पहचान की कोशिश की जा रही है। पुलिस विभाग ने घायल कर्मियों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

27 बोतल नेपाली शराब व मोटरसाइकिल बरामद

12 वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम। पताही

स्थानीय थाना क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पताही पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना अध्यक्ष विनीत कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने विभिन्न मामलों में वांछित 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक हत्या के मामले का नामजद अभियुक्त भी शामिल है। थाना अध्यक्ष विनीत कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में कई ऐसे आरोपी हैं जिन पर पहले से लंबित केसों के वारंट जारी थे। इनमें महेंद्र महतो (साकिन बड़का बलुआ) पर पताही थाना कांड संख्या 236/24, धारा 302/34 आईपीसी के तहत गंभीर आरोप हैं। अन्य गिरफ्तार अभियुक्तों में हरेंद्र नारायण सिंह (साकिन बखरी), योगेन्द्र साह, अनिल कुमार, चंदेश्वर महतो, राकेश कुमार, संतोष महतो (सभी साकिन बोकने कला), रामशाबाद पासवान (साकिन मिर्जापुर), प्रेम महतो (साकिन हरभंगा), धनंजय कुमार (साकिन नन्हकार), मुस्ताक अंसारी (साकिन गम्हरिया) तथा विजय राम (साकिन जरदाहा) शामिल हैं। सभी को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने गिरफ्तारियों के दौरान 27 पीस नेपाली रिलैक्स ब्रांड शराब और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है। इस छापेमारी अभियान में संजय चौधरी, धनंजय कुमार, अजय कुमार शाह समेत पुलिस चौकीदार भी शामिल थे। थाना अध्यक्ष ने बताया कि क्षेत्र में अपराध पर नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए आगे भी इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

नाबालिग छात्रा का अपहरण, परिजनों को मिली जान से मारने की धमकी

बीएनएम। तुरकौलिया

थाना क्षेत्र के एक गांव में एक 14 वर्षीय नाबालिग छात्रा के अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता आठवीं कक्षा की छात्रा बताई जा रही है। इस संबंध में टिकैता गांव निवासी ऐजाज अहमद ने तुरकौलिया थाना में आवेदन देकर चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। आवेदन में ऐजाज अहमद ने बताया कि 17 अप्रैल को दोपहर एक बजे उनकी पुत्री घर के पीछे मकई के खेत की ओर गई थी, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने जब चारों ओर तलाश की, तो पता चला कि शंकरसरैया तनसरिया गांव के मो. आसिफ, मो. सद्धाम हुसैन, अजमल हुसैन और मो. राजा उर्फ मोजिबुर्रहमान ने बच्ची को जबरन उठाकर अपने घर में बंद कर रखा है। परिजन जब आरोपियों के घर पहुंचे और बच्ची के बारे में पूछताछ की, तो आरोपियों ने न सिर्फ दुर्व्यवहार किया, बल्कि यह भी कहा कि "हम लोग बच्ची को रखे हैं, जहां जाना हो जाओ, लेकिन बच्ची वापस नहीं करेंगे। तुम हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकते।" पीड़िता के पिता ने यह भी आरोप लगाया है कि उक्त आरोपी कभी भी बच्ची के साथ कोई अनहोनी घटना को अंजाम दे सकते हैं और जान से मारने की भी धमकी दे चुके हैं। तुरकौलिया थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

कुंडवा चैनपुर में रेलवे ट्रैक से खोले गए पेड्रौल क्लिप के साथ मदरसा के दो छात्र गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

जिला के नेपाल सीमा से सटे कुंडवा चैनपुर रेलवे स्टेशन के समीप एक संदिग्ध मामला सामने आया है।आरपीएफ ने रेलवे ट्रैक से खोले गए कई पेंड्रौल क्लिप के साथ मदरसे के दो छात्रों को हिरासत में लिया है। आशंका जतायी जा रही है,कि ये लोग ट्रेन को बेपटरी करने की साजिश के तहत इस घटना को अंजाम दिया है। इसको लेकर पुलिस और आरपीएफ पकड़े गये दोनो मदरसा के छात्रो से गहन पूछताछ और जांच शुरू कर दी है। पुलिस को आशंका है,कि इस साजिश के पीछे अन्य व्यक्ति भी शामिल हो सकते है।आरपीएफ इंस्पेक्टर ए.के चौधरी ने बताया कि नियमित गश्ती टीम को रेलवे ट्रैक के निरीक्षण के दौरान कई पेंड्रौल क्लिप खोले हुए मिले। गश्ती दल ने इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी,जिसके बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया। तलाशी के दौरान आरपीएफ ने दो युवकों को घटनास्थल के पास ही संदिग्ध अवस्था में पकड़ा। इनके पास से कुछ पेंड्रौल क्लिप और अन्य उपकरण भी बरामद किए गए। पूछताछ में पता चला कि दोनों युवक स्थानीय मदरसे में पढ़ाई करते हैं। उनकी गतिविधियां संदिग्ध पाए जाने के बाद उन्हें हिरासत में लेकर गहन पूछताछ की जा रही है, जिसके बाद ही इसका खुलासा हो सकेगा कि इन लोगो ने साजिश के तहत तो पैड्रौल क्लिप नही खोला था। उल्लेखनीय है,कि पेंड्रौल क्लिप रेलवे ट्रैक को स्थिर रखने वाला एक महत्वपूर्ण उपकरण हैं,और इनके नही रहने से ट्रेन बेपटरी हो सकता है।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में जनाक्रोश मार्च

बीएनएम। मुजफ्फरपुर

गायघाट प्रखंड क्षेत्र के कांटा गांव स्थित गांधी चौक पर जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों और नागरिकों की याद में कैंडल मार्च निकाला गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा, सामाजिक कार्यकर्ता और राजनीतिक प्रतिनिधि शामिल हुए। श्रद्धांजलि सभा में लोगों ने मोमबत्तियां जलाकर शहीदों को नमन किया। दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की गई। जनाक्रोश रैली में भारत विरोधी ताकतों के खिलाफ जोरदार नारेबाजी हुई। दक्षिणी मंडल अध्यक्ष संजागर कुमार सहनी ने कहा कि आतंकी हमलों में शहीद होने वाले वीर जवानों का बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा। दीपक कुमार उर्फ बउआ जी ने कहा कि उनका संगठन देश की अस्मिता की रक्षा के लिए हर मोर्चे पर तैयार है। मौके पर दक्षिणी मंडल अध्यक्ष संजागर कुमार सहनी, मुखिया पति संतोष कुमार, मंडल उपाध्यक्ष उमा शंकर ठाकुर, सरपंच पति टुनटुन मिश्र, दीपक कुमार उर्फ बउआ जी, कृष्ण मोहन मिश्र, सुमित झा, राम प्रवेश मिश्र, राम श्रेष्ठ भगत, जवाहर साह, अर्जुन सिंह, उमेश महासेठ, नरेंद्र कुमार, संजय पासवान, शंकर मोहन मिश्र, लक्ष्मी सहनी, सुरेश ठाकुर, दिलीप कुमार, प्रोफेसर मनोज ठाकुर आदि मौजूद रहे।

मानसून इस बार सामान्य से बेहतर

भारत में इस बार मानसून में सामान्य से बेहतर होने की जानकारी मौसम विभाग ने दी है। मानसून के दौरान अल नीनो की संभावना को खारिज करते हुए कहा कि जून-सितम्बर के दौरान 105ल बरसात हो सकती है। भारतीय उपमहाद्वीप में सामान्य से कम मानसूनी बारिश से जुड़ी अल-नीनो की स्थितियां इस बार विकसित होने की संभावना नहीं हैं। देश के विभिन्न हिस्से फिलहाल भीषण गरमी से जूझ रहे हैं। अप्रैल अंत से जून के दौरान भीषण गरमी पड़ने का अनुमान है जिससे बिजली ग्रिड पर दबाव पड़ सकता है और पानी की कमी हो सकती है। कृषि क्षेत्र के लिए मानसून बहुत महत्त्वपूर्ण है जो लगभग 42.3ल आबादी की जीविका का आधार है। देश की जीडीपी में कृषि का योगदान 18.2ल होता है। कुल खेती योग्य क्षेत्र का आधे से ज्यादा यानी 52ल हिस्सा वर्षा आधारित प्रणाली पर निर्भर है। बिजली उत्पादन के अतिरिक्त वर्षा जल ही पीने और जलाश्यों को भरने के लिए आवश्यक है। जलवायु वैज्ञानिकों के अनुसार, चूंकि बरसात के दिनों की संख्या घटती जा रही है, परंतु भारी बारिश की घटनाएं बढ़ रही हैं यानी थोड़े समय में जबरदस्त बारिश हो जाती है जिससे बाढ़ जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। हालांकि यह मानसून खरीफ की फसल के मुनाफिक होता है। दालें, चावल, मक्का, रागी, ज्वार, तिल, बाजरा और मूंगफली के साथ धान भी इनमें होते हैं। कुल्थी, जूट, सन, कपास आदि भी इसी मौसम की उपज हैं। बीते साल जून-सितम्बर के दौरान रिकॉर्ड औसतन 8ल अधिक बारिश हुई थी। मौसम विभाग की भविष्यवाणियों में केवल 4ल की त्रुटि होती है। हालांकि मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार मानसून में हरे संवहनीय बादलों के ऊपरी हिस्से में तकरीबन एक किमी. की वृद्धि हुई है। केरल विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं का कहना है कि बीते आठ सौ वर्षों में मानसून में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हालांकि अत्यधिक वर्षा के कारण आने वाली विपदाओं से जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। महानगरों में जलभराव से निपटना अब तक संभव नहीं हो पाया है।

पाक को सबक सिखाना एवं आतंकवाद को उखाड़ना होगा

ललित गर्ग

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर एवं क्रूर आतंकी हमले से सारा देश गम एवं गुस्से में दिख रहा है, वही मोदी सरकार इस बार आर-पार के मूड में दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच बड़े और कड़े फैसले लेते हुए पाकिस्तान पर शिकंजा कसा है, जिससे वह डरा है, सहमा है, घबराया है। इन पंच शिकंजों में1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, राजनयिक मिशन की संख्या घटाई जाएगी, पाकिस्तानी सैन्य राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तानियों के लिए सार्क वीजा रद्द कर दिया गया है और अटारी बॉर्डर को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। ये कदम जहां आतंकवाद के खिलाफ भारत की कड़ी नीति को दर्शाते हैं वहीं पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाने का एक डिप्लोमैटिक स्ट्राइक है, जबकि भीतर-ही-भीतर किसी बड़ी कार्रवाई से इंकार नहीं किया जा सकता। सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर दबाव बनाने और भारत की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार से अभी अधिक सख्त कार्रवाई की अपेक्षा है और आशा की जा रही है कि सरकार जनता की अपेक्षाओं से भी दो कदम आगे इस बार बदला लेगी। इस बार की तांडवी टंकार एवं हुंकार पाकिस्तान की न केवल कमर तोड़ देगी, बल्कि उसके नापाक मनसूंबों को हमेशा के लिये नेस्तनाबूद कर देगी। पाकिस्तान ने अब तक भारत की शांति एवं सहयोग भावना को देखा है लेकिन अब हिंसा के लिये हिंसा की खनकार देखेगा। निर्दोषों की हत्या करन वालों, विश्वासघात का मार्ग अपनाने वालों एवं निहत्थों पर कहर बरपाने वालों को अब पता लगेगा कि धर्म एवं शांतिवादियों की ताकत क्या होती है? पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने निर्दोष पर्यटकों पर किये गये इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बाद हुआ। यह हमला पाकिस्तान की अब तक की सबसे बड़ी भूल एवं अमानवीयता एवं पाशविकता का घिनौना कृत्य बना है। मुनीर ने कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताया लेकिन यही नस अब पाकिस्तान का सर्वनाश करेंगी, उसको कड़वे घुंट पीने को विवश करेगी। दाने-दाने को तरसता पाकिस्तान अब त्राहि-त्राहि करते हुए तबाही के कगार पर पहुंचेगा। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, अब भारत उसकी नींद ही नहीं, सुख-चैन भी छीन लेगा। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार को चुनौती दे दी है, सीधे-सीधे ललकारा है। मोदी सरकार को सस्ते में लेने की भूल के परिणाम पाकिस्तान पहले भी भुगत चुका है, उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह पहलगाम हत्याकांड में बहा निर्दोषों का रक्त व्यर्थ नहीं जायेगा। जिस तरह श्रीकृष्ण को आसूरी शक्तियों के खिलाफ महाभारत रचना पड़ा, उसी तरह मोदी पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ कोई बड़े युद्ध की संरचना करके हमेशा के लिये आतंकवाद का सर्वनाश करे। पहलगाम हत्याकांड के बाद न केवल समूचे देश में बल्कि कश्मीर घाटी में पहली बार गहरा आक्रोश देखने को मिला है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए और कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। यह घटना कश्मीरियों की रोजी-रोटी पर कुठाराघात है। यह कश्मीर की शांति को लीलने की कुचेष्ठा है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमट रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। वादियां की रौनक बढ़ी और बाजार गुलजार हो उठे थे। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर त्यौहार मनाए जाने लगे

थे। बागों में ट्यूलिप के फूल खिल उठे थे। बर्फ की वादियों में मंद-मंद शीतल हवाओं से चिनार के पेड़ झूमने लगे थे। जो देश एवं दुनिया के असंख्य पर्यटकों को खींच रहे थे। उम्मीदें बंध गई थीं कि एक न एक दिन आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर नई सुबह देखेगा लेकिन बढ़ते पर्यटक और मजबूत होती अर्थव्यवस्था पाक को रास नहीं आई। पहलगाम के भयावह हमले ने एक बार फिर सबको खौफजदा कर दिया। जम्मू-कश्मीर में शांति, सौहार्द और विकास पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं को नागवार गुजर रहा था। इसलिए पाकिस्तान की सेना, सेना प्रमुख तौकिर मुनीर, उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकवादी संगठनों ने मिलकर ऐसी साजिश रच डाली, जिसने उनके धर्म को धुंधलाने एवं शर्मसार करने के साथ पाकिस्तानी इरादों को भी बेनकाब कर दिया। पाकिस्तान को जवाब देने की तैयारी व्यापक स्तर पर हो रही है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या भारत ऐसी कोई बड़ी कार्रवाई कर सकेगा, जिससे वह सही रास्ते पर आ जाए? पहलगाम का आतंकी हमला भारत की चेतना और उसकी अस्मिता पर किया गया भीषण हमला है। इस हमले के द्वारा भारत को ललकारा गया है। अब पाकिस्तान को उसी की भाषा में सबक सिखाने के लिए सभी विकल्पों पर विचार होना ही चाहिए। यदि युद्ध अपेक्षित हो तो उसे भी अंजाम देना चाहिए। उसकी परमाणु हमले की धमकियों से आखिर कब तक डरा जायेगा? इसी के साथ इस पर भी मंथन हो कि आखिर पहलगाम में आतंकी इतनी आसानी से इतने लोगों को मारने में सफल कैसे हो गए? सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ एवं सक्रियता जारी थी। ऐसे में भारत सरकार, सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों को और सतर्क रहना चाहिए था। यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि कश्मीर में जब बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे थे, तब वहां जैसी चौकसी बरती जानी चाहिए थी, उसका अभाव क्यों देखने को मिला? जिस तरह से धर्म और नाम पूछकर आतंकवादियों ने हिन्दुओं का नरसंहार किया उससे समूचा राष्ट्र आक्रोश में है। भारत की बेटी जिस की हाथों की मेहंदी का रंग भी अभी फीका नहीं हुआ था और तीन दिन पहले ही उसकी शादी हुई थी, उसकी अपने पति भारतीय नौसेना के लेफ्टीनेंट विनय नरवाल के शव के साथ तस्वीर देखकर समूचे देश का दिल दहल गया। हैदराबाद के आईबी अधिकारी मनीष रंजन को पत्नी और बच्चों के सामने मार दिया गया, ऐसे ही दर्दनाक दृश्य चारों ओर बिखरे थे। यह हमला वैसा ही जैसा हमास के आतंकवादियों ने इजराइल पर किया था। आज समूचा राष्ट्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ा है। हर देशवासी चाहता है कि पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाया जाए जैसा इजराइल ने हमास को सिखाया है। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद केंद्र सरकार ने युद्धस्तर पर कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में तीव्र गर्जना करते हुए पाकिस्तान को सबक सिखाने का संकल्प व्यक्त किया है। गृहमंत्री अमित शाह ने आतंकवाद के आगे घुटने न टेकने की बात कहीं है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमलावरों को यथाशीघ्र कड़ा जवाब दिया जाएगा।

सूडोकु नवताल- 7412

सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7411 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका अहम

अमित बैजनाथ गर्ग

हाल ही में भारतीय प्रबंधन संस्थान-अहमदाबाद की ओर से एक निजी कंपनी के साथ मिलकर तैयार की गई रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के कृषि कार्यबल में 64.4 प्रतिशत महिलाएं हैं, लेकिन सिर्फ 6-10 प्रतिशत महिलाएं कृषि और इससे संबंधित शीर्ष कंपनियों में नेतृत्वकारी पदों पर हैं। रिपोर्ट ने देश के कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका और शीर्ष पदों पर उनकी कम उपस्थिति के बीच गहरी खाई को उजागर किया है। रिपोर्ट कहती है कि कृषि व्यवसाय का भविष्य महिलाओं को शिक्षा, कार्यस्थलों में समावेश बढ़ाकर और नेतृत्व विकास के माध्यम से सशक्त बनाने में निहित है। रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया है कि कृषि शिक्षा कार्यक्रमों में महिलाओं का 30-40 प्रतिशत नामांकन होता है, लेकिन इनमें से बहुत कम महिलाएं औपचारिक कृषि क्षेत्र में रोजगार पाती हैं। रिपोर्ट के हवाले से विशेषज्ञों का कहना है कि कृषि क्षेत्र में महिलाओं की मजबूत भागीदारी और उच्च शैक्षणिक उपस्थिति के बावजूद औपचारिक रोजगार में उनकी भागीदारी नगण्य है। इसे बढ़ाने पर जोर दिया जाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। रिपोर्ट ने महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए कई रणनीतियां सुझाई हैं, जिनमें महिलाओं को संसाधनों तक समान पहुंच सुनिश्चित करना, महिलाओं के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम लागू करना और समावेशी कार्यस्थलों को बढ़ावा देकर महिलाओं को नेतृत्व के लिए प्रेरित करना शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि देश में कृषि परिदृश्य एक आश्चर्यजनक विरोधाभास प्रस्तुत करता है। महिलाएं कृषि कार्यबल और शैक्षिक समूहों का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं, फिर भी स्नातकों का एक बड़ा हिस्सा औपचारिक रोजगार संरचनाओं में प्रवेश नहीं कर पाता है। हमें इस स्थिति पर गंभीरता से विचार करते हुए समाधान के रास्ते खोजने होंगे। असल में कृषि का नारीकरण एक जटिल और बहुआयामी प्रक्रिया है, जो कई सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारकों से प्रभावित होती है। कृषि में महिलाओं की पूर्ण और समान भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए कई चुनौतियों का समाधान किया जाना बाकी है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में कृषि श्रम बल में महिलाएं महत्त्वपूर्ण अनुपात में हैं। 2010-11 की अवधि में लगभग 43 प्रतिशत किसान और 52 प्रतिशत कृषि मजदूर महिलाएं थीं। महिलाओं ने हमेशा कृषि में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है, चाहे वे किसान हों या मजदूर। हालांकि उनके योगदान को अक्सर अनदेखा किया जाता है और कम करके आंका जाता है। उन्हें इस क्षेत्र में समान भागीदारी और निर्णय लेने में कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है। देश में कृषि के महिलाकरण को बढ़ावा देने वाले मुख्य कारकों में से एक इस क्षेत्र में पुरु ष श्रम शक्ति में गिरावट है। यह गिरावट कई कारकों से प्रेरित है, जिसमें कृषि का मशीनीकरण, गैर-कृषि रोजगार की ओर बदलाव और बेहतर रोजगार के अवसरों की तलाश में पुरु षों का शहरी क्षेत्रों में पलायन शामिल है। नतीजतन, महिलाओं ने कृषि में अधिक से अधिक जिम्मेदारियां और भूमिकाएं निभाई हैं, जिसमें कृषक और खेत प्रबंधक के रूप में शामिल हैं। कृषि में महिलाओं के अवैतनिक और अनौपचारिक श्रम की मान्यता और मूल्य को बढ़ावा देना जरूरी है। व्यावसायिक प्रशिक्षण और विस्तार कार्यक्रमों सहित कृषि में महिलाओं की शिक्षा और प्रशिक्षण को समर्थन देने वाली नीतियों और कार्यक्रमों का कार्यान्वयन करना होगा। किसान संगठनों, सहकारी समितियों और अन्य स्थानीय संस्थाओं सहित सभी स्तरों पर निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना होगा। महिलाओं के भूमि स्वामित्व को बढ़ावा देना, ताकि उन्हें विभिन्न कृषि योजनाओं के तहत लाभ प्राप्त करने में मदद मिल सके। महिला-केंद्रित विस्तार सेवाओं का विकास करना जैसे कृषि मशीनों का नवप्रवर्तन करना, जो महिलाओं के उपयोग के लिए बेहतर अनुकूल हों, लाभकारी होगा। कृषि में महिलाओं की भूमिका अहम है। वे कृषि के कई काम करती हैं जैसे कि बीजों का चयन, खेतों की जुताई, फसल की कटाई, मवेशी प्रबंधन, दूध दुहना, चारा इक_ा करना और खाद्य उत्पादन। कृषि में महिलाओं की भागीदारी दर अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग होती है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि कृषि का नारीकरण एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है, जो लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और क्षेत्र की स्थिरता और उत्पादकता में सुधार के लिए आवश्यक है। कृषि में महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों और बाधाओं को दूर करके तथा उनकी पूर्ण और समान भागीदारी का समर्थन करके एक अधिक न्यायसंगत और समृद्ध कृषि क्षेत्र बनाना संभव होगा, जो समाज के सभी सदस्यों को लाभान्वित करेगा। कृषि क्षेत्र के साथ ही देश के विकास के लिए ऐसा करना जरूरी है।

मेष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपका विवेक और सूझबूझ से लिया गया निर्णय अच्छा रहेगा तथा सभी काम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होंगे। संतान संबंधी शुभ काम बनने से मन खुश रहेगा। आज दिखावे के चक्कर में अधिक खर्च करने या कर्ज लेने से बचें। अगर किसी से वादा किया है, तो उसे पूरा करने का प्रयास करेंगे। आपके रुके हुये कार्य कम्पलीट होंगे, जिससे आपकी उलझन कम होगी।

वृष राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों और कर्मचारियों की मदद से उचित व्यवस्था बनी रहेगी तथा कार्य सुचारू रूप से संपन्न होते जाएंगे। साझेदारी संबंधी व्यवसाय आज गति पकड़ेंगे। परंतु अपनी कार्यप्रणाली में कुछ बदलाव भी लाना जरूरी है। नौकरी पेशा लोगों को अपना मनोनुकूल कार्यभार मिलेगा। आज पारिवारिक व्यवस्था में बाहरी लोगों का हस्तक्षेप नहीं होने देंगे। आज माता-पिता का आशीर्वाद आप पर बना रहेगा।

मिथुन राशिः आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। आज आपनी समस्याओं का समाधान निकाल लेंगे। किसी आर्थिक समस्या का हल मिलने से सुकून रहेगा। इसमें भावनाओं की बजाय व्यवहारिक दृष्टिकोण आपकी तरक्की में सहायक रहेगा। नयी कार्य योजनाओं को स्टार्ट करने के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। प्रॉपर्टी खरीदने का विचार बना रहे लोगों को पिता जी सरप्राइज देंगे।

कर्क राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज अपना स्वभाव पॉजिटिव बनाए रखेंगे। इस समय किसी भी तरह का लेन-देन करते समय सावधानी वरतें। राजनीतिक तथा सामाजिक गतिविधियों में अपनी उपस्थिति जरूर रखें। इससे लोकप्रियता के साथ-साथ जनसंपर्क का दायरा बढ़ेगा। साथ ही घर की व्यवस्था से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम भी संपन्न हो सकते हैं। ऑनलाइन शॉपिंग में समय बीतेगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन एक खास पल लेकर आएगा। रुपए-पैसे के मामले में किसी पर भी ज्यादा भरोसा ना करें। भावुकता और उदारता में निर्णय लेने से बचे, किसी भी प्रकार का निर्णय लेने से पहले उस पर उचित विचार विमर्श करना जरूरी है। कार्यस्थल पर छोटी-मोटी परेशानियां आएंगी, पर समय रहते उनका हल भी मिलता जाएगा। आज अच्छे भविष्य के लिए आप कंप्यूटर कोर्स ज्वाइन कर सकते हैं।

कन्या राशिः आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आज आप खुद को आर्थिक तौर पर मजबूत करने की कोशिश करेंगे और सफल भी रहेंगे। लेन-देन संबंधी मामला किसी की मध्यस्थता से हल करने का प्रयास करेंगे तो निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी ।

तुला राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। अधिक भागदौड़ वाला काम होने के बावजूद भी आप पॉजिटिव रहेंगे। आज उचित समय पर उचित निर्णय लेना फायदेमंद साबित होगा। आज आपको करियर संबंधी किसी समस्या का समाधान मिलने से शांति मिलेगी। आर्थिक योजना पूरी होने से मन प्रसन्न रहेगा। विरोधी आपके लिए परेशानी बढ़ा सकते हैं, लेकिन निश्चिंत रहें इससे आपका कुछ भी अहित नहीं होगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन लकी रहेगा। दोस्त आपका मनोबल बढ़ाएंगे। आज सोची हुई कार्य योजनाओं को पूर्ण करने मे सफलता मिलेगी। आज अपने लक्ष्य को पूरा करने में और अधिक मेहनत करेंगे। अपनी फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

धनु राशिः आज आपका दिन बेहद खुशहाल रहेगा। जीवनसाथी की मदद कारगार हो सकती है। आँखों की समस्या को किसी अच्छे डॉक्टर को दिखायेंगे, आपको आराम मिलेगा। आज पिछले कुछ समय से जिन योजनाओं को पूरा करने के लिए प्रयासरत थे, अब उनका फलीभूत होने का उचित समय आ गया है। प्रॉपर्टी संबंधी कार्यों के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन बेहद खुशनुमा रहेगा। आज किसी भी परिस्थिति में आप अपना स्वाभिमान तथा आत्मबल कमजोर नहीं पड़ने देंगे। आज चुनौतियों का सामना करें तथा आर्थिक मामलों को और अधिक बढ़िया बनाने की कोशिश करें।

कुंभ राशिः आज आपका दिन मिला जुला रहेगा। माता-पिता बच्चों के साथ किसी शॉपिंग मॉल में घूमने जायेंगे, जिससे उनमें बहुत उत्साह देखने को मिलेगी। आपका शांतिपूर्ण व्यक्तित्व आपके कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से व्यवस्थित करने में सहायक रहेगा। बाहरी गतिविधियों तथा जनसंपर्क में भी इजाफा होगा। कार्यक्षेत्र में अपनी उपस्थिति रखें।

मीन राशिः आज आपका दिन ताजगी से भरा रहेगा। आज आप हर किसी से बेहतर सामंजस्य बनाकर रखने में सफल होंगे। किसी भी असमंजस की स्थिति में निकट मित्रों की सलाह उपयोगी रहेगी। धार्मिक अथवा आध्यात्मिक गतिविधियों में कुछ समय बिताने से सकारात्मक ऊर्जा महसूस करेंगे।

पाकिस्तान द्वारा शिमला समझौता रद्द किया जाना भारत के हित में है

डॉ. विश्वास चौहान

भारत और पाकिस्तान के बीच 1971 के युद्ध के बाद 2 जुलाई 1972 को शिमला समझौता (Shimla Agreement) हुआ था। इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच शांति बहाली, युद्धबंदियों की रिहाई और आपसी विवादों को शांतिपूर्वक हल करना था। परंतु 21वीं सदी के पहले दो दशकों में पाकिस्तान की ओर से बार-बार सीमा उल्लंघन, आतंकवाद को समर्थन और कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करने के प्रयासों ने शिमला समझौते की आत्मा को गंभीर रूप से आहत किया है। हाल ही में पाकिस्तान द्वारा इस समझौते को औपचारिक रूप से 'निरस्त' करना एक प्रतीकात्मक घटना है, परंतु इसके निहितार्थ भारत के दृष्टिकोण से लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं। इस आलेख में हम विस्तार से विश्लेषण करेंगे कि पाकिस्तान द्वारा शिमला समझौते को रद्द किया जाना भारत के लिए कैसे लाभकारी है, किन ऐतिहासिक तथ्यों, आंकड़ों और घटनाओं के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है और इसके दीर्घकालिक रणनीतिक प्रभाव क्या हो सकते हैं।

शिमला समझौताः संक्षिप्त पृष्ठभूमि- 1971 के भारत-पाक युद्ध के पश्चात भारत ने पाकिस्तान के 90,000 से अधिक सैनिकों को बंदी बनाया था। युद्ध के परिणामस्वरूप पूर्वी पाकिस्तान, स्वतंत्र राष्ट्र 'बांग्लादेश' बना। इन परिस्थितियों में शांति बहाली के उद्देश्य से तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो के बीच शिमला में समझौता हुआ।

इसके प्रमुख बिंदु थेः

- भारत और पाकिस्तान अपने मतभेदों को द्विपक्षीय वार्ता के माध्यम से शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाएंगे। युद्धबंदियों की सुरक्षित वापसी की जाएगी। दोनों देश एक-दूसरे की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करेंगे। नियंत्रण रेखा (LoC) को दोनों पक्ष सम्मान देंगे।
- लेकिन उक्त समझौते का पाकिस्तान की ओर से निरन्तर उल्लंघन की घटनाएं हुई तथा शिमला समझौते के बाद भी पाकिस्तान ने कभी इस समझौते की आत्मा का पालन नहीं किया। पाकिस्तान द्वारा शिमला समझौता उल्लंघन की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार थी -

1. कारगिल युद्ध (1999) पाकिस्तानी सेना ने भारतीय नियंत्रण वाले कारगिल क्षेत्र में घुसपैठ कर ली, जबकि शिमला समझौते के अनुसार, नियंत्रण रेखा का सम्मान अनिवार्य था।

2. सीमा पर लगातार संघर्ष विराम उल्लंघन2003 में संघर्ष विराम समझौता हुआ, परंतु 2010 से 2020 के बीच पाकिस्तान ने औसतन प्रति वर्ष 1500 से अधिक बार संघर्ष विराम का उल्लंघन किया (गृह मंत्रालय के आंकड़े)।

3. आतंकवाद को समर्थनपाकिस्तान आधारित आतंकी संगठनों- लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद आदि ने भारत में कई आतंकी हमले किए: साल 2001 में संसद पर हमला, 2008 मुंबई हमले (166 मृतक), 2016 पठानकोट हमला, 2019 पुलवामा हमला (40 CRPF जवान शहीद) ये घटनाएं शिमला समझौते की "शांति एवं आपसी सम्मान" की भावना के विरुद्ध थीं।

वर्तमान में पाकिस्तान द्वारा समझौते को निरस्त करना एक मूर्खतापूर्ण कदम के लिए इतिहास में स्मरण किया जाएगा। वैसे भी इस समझौते का कोई महत्व नहीं रह गया था क्योंकि 2024 के उत्तरार्ध में पाकिस्तान की संसद में एक प्रस्ताव पारित हुआ जिसमें शिमला समझौते को "अप्रासंगिक और निष्प्रभावी" बताया गया और इसे औपचारिक रूप से रद्द करने की सिफारिश की गई। इसके पीछे तर्क दिया गया कि भारत द्वारा जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने और राज्य पुनर्गठन ने "यथास्थिति" को बदल दिया है। मेरी राय में पाकिस्तान का यह कदम भारत के लिए झटका नहीं बल्कि एक रणनीतिक अवसर है। अब प्रश्न यह है कि पाकिस्तान का यह कदम भारत के हित में कैसे है? तो इस सम्बन्ध में निम्नानुसार तर्क दिए जा सकते हैं।

पहला यह कि भारत अब द्विपक्षीयता की बाध्यता से मुक्त हो गया है क्योंकि शिमला समझौते के तहत भारत-पाकिस्तान विवादों का समाधान केवल द्विपक्षीय तरीके से करना था। अब भारत इस विषय को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रखने के लिए स्वतंत्र है और विशेषकर आतंकवाद जैसे विषयों पर व्यापक वैश्विक समर्थन प्राप्त कर सकता है।

दूसरा यह कि पाकिस्तान की विश्वसनीयता को इस कदम से क्षति पहुंची है क्योंकि शिमला समझौता संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुरूप था और एक अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता मानी जाती है। पाकिस्तान द्वारा इसे रद्द करना उसकी अस्थिर और गैर-जिम्मेदार छवि को और मजबूत करता है। इससे भारत को विश्व स्तर पर कूटनीतिक लाभ मिलेगा।

तीसरा, भारत को अब कूटनीतिक आक्रमकता का अवसर मिल गया है क्योंकि पाकिस्तान द्वारा यह समझौता रद्द करने से भारत अब अपने पक्ष को अन्य देशों के सामने खुलकर रख सकता है, विशेष रूप से पाकिस्तान द्वारा लगातार प्रायोजित आतंकवाद और सीमा उल्लंघनों पर। G20, SCO और BRICS जैसे मंचों पर भारत इस मुद्दे को मजबूती से उठा सकता है जो पहले इस समझौते से बंधा होने से नहीं उठा पाता था।

चौथा यह कि अब LoC की स्थिति और रक्षा नीति को सुदृढ़ किया जा सकेगा क्योंकि अब भारत को नियंत्रण रेखा की 'यथास्थिति' बनाए रखने की बाध्यता नहीं है। इससे सामरिक रूप से पाकिस्तान की ओर अधिक सक्रिय रक्षा नीति अपनाने की संभावनाएं बनती हैं- जैसे सर्जिकल स्ट्राइक (2016) और एयर स्ट्राइक (2019) जैसे उपायों को वैधानिक रूप से और अधिक समर्थन मिल सकता है।

भविष्य की रणनीतिक दिशाः भारत को अब क्या करना चाहिएः-

1. नई सुरक्षा नीति का निर्माणभारत को एक अद्यतन सीमा नीति बनानी चाहिए जो केवल रक्षात्मक नहीं, अपितु सक्रिय प्रतिकार पर आधारित हो।

2. राजनयिक स्तर पर आक्रामकताभारत को पाकिस्तान की यह असंगत स्थिति वैश्विक मंचों पर उजागर करनी चाहिए कि वह शांति समझौतों को स्वीकारने और बनाए रखने में विफल राष्ट्र है।

3. आतंकवाद विरोधी वैश्विक गठजोड़ में नेतृत्वभारत, अमेरिका, फ्रांस, इजराइल और अन्य आतंकवाद-विरोधी राष्ट्रों के साथ गठजोड़ को और मजबूत कर सकता है।

4. UN और ICJ में कदमअब भारत, पाकिस्तान की नापाक गतिविधियों को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) और UN में अधिक मजबूती से उठा सकता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईपीएलः सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंचे विराट कोहली

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल) में गुरुवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रॉयल्स के बीच हुए मुक़ाबले के बाद सर्वाधिक रन बनाने वालों और विकेट लेने वालों की सूची में कई बदलाव हुए।

साई सुदर्शन शीर्ष पर कायम, कोहली दूसरे स्थान पर पहुंचे- गुजरात टाइटंस के युवा बल्लेबाज बी. साई सुदर्शन 417 रन बनाकर अब भी पहले स्थान पर बने हुए हैं। उन्होंने आठ मैचों में 52.12 की औसत और 152.18 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। वहीं, विराट कोहली ने लगातार दूसरा अर्धशतक जमाते हुए ऑरेंज कैप की दौड़ में लंबी छलांग लगाई है। राजस्थान के खिलाफ उन्होंने 42 गेंदों में 70 रन बनाए और अब उनके नाम नौ पारियों में 392 रन हो गए हैं।

निकोलस पूरन खिसके, लखनऊ सुपर जायंट्स के निकोलस पूरन ने प्रतियोगिता की शुरुआत धमाकेदार अंदाज़ में की थी और काफी मैचों तक सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने रहे। लेकिन हाल के मुकाबलों में खराब फॉर्म की वजह से अब वह तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। उनके नाम 377 रन हैं। मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव इस सत्र में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने हर मैच में उपयोगी योगदान दिया है और अब 373 रनों के साथ चौथे स्थान पर हैं।

पर्पल कैप की दौड़ः हेज़लवुड ने पकड़ी रफ्तार- गुजरात टाइटंस के तेज़ गेंदबाज़ प्रसिद्ध कृष्णा अब भी सर्वाधिक विकेट लेकर पर्पल कैप धारक हैं। उन्होंने आठ मैचों में 16 विकेट लिए हैं। लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के जोश हेज़लवुड ने राजस्थान के खिलाफ 4 विकेट लेकर 16 विकेट पूरे कर लिए हैं। हालांकि उनकी रनगति (इकोनॉमी रेट) अधिक होने के कारण वह दूसरे स्थान पर हैं।

12 विकेट लेने वाले गेंदबाजों की होड़- प्रसिद्ध कृष्णा और जोश हेज़लवुड के बाद सात गेंदबाज ऐसे हैं जिनके नाम 12-12 विकेट हैं। इनमें आरसीबी के क्रुणाल पांड्या (2 विकेट बनाम राजस्थान) नया नाम हैं। अन्य गेंदबाजों में गुजरात टाइटंस के आर. साई किशोर और मोहम्मद सिराज, चेन्नई सुपर किंग्स के नूर अहमद, दिल्ली कैपिटल्स के कुलदीप यादव, मुंबई इंडियंस के हार्दिक पांड्या और लखनऊ सुपर जायंट्स के शार्दुल ठाकुर शामिल हैं। इनमें सबसे किफायती गेंदबाज़ कुलदीप यादव हैं – 6.50 की रनगति के साथ, जबकि नूर अहमद 7.66 के रनगति के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

आईपीएल 2025: आरसीबी ने घरेलू मैदान पर दर्ज की सीजन की पहली जीत, राजस्थान रॉयल्स को 11 रन से हराया

बेंगलुरु। आईपीएल 2025 के 42वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अपने घरेलू मैदान एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम पर शानदार प्रदर्शन करते हुए राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 11 रनों से शिकस्त दी। यह जीत आरसीबी की इस सत्र में अपने होम ग्राउंड पर पहली है और इसके साथ ही टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी की टीम ने 5 विकेट पर 205 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। ओपनर्स फिल सॉल्ट (26) और विराट कोहली (70) ने तेज शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। कोहली ने अपनी 70 रनों की शानदार पारी में 8 चौके और 2 छक्के लगाए। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल (50 रन) ने विराट के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 105 रनों की अहम साझेदारी की। अंत में टिम डेविड (23 रन, 15 गेंद) और जितेश शर्मा (नाबाद 20 रन, 10 गेंद) की तेज पारियों ने स्कोर को 200 के पार पहुंचाया। राजस्थान की ओर से संदीप शर्मा ने दो विकेट, जबकि हसरंगा और जोफ्रा आर्चर ने एक-एक विकेट लिया। 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत अच्छी रही। यशस्वी जायसवाल (49 रन, 19 गेंद) ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की, लेकिन उन्हें जॉश हेजलवुड ने आउट कर दिया।

इसके बाद लगातार विकेट गिरते गए। रियान पराग (22 रन), नीतीश राणा (28 रन) और हेटमायर (11 रन) पिच पर टिक नहीं सके। हालांकि ध्रुव जुरेल (47 रन) ने अंत तक संघर्ष किया, लेकिन जोश हेजलवुड के शानदार 19वें ओवर ने मैच का रुख पूरी तरह आरसीबी की ओर मोड़ दिया। राजस्थान की टीम 20 ओवरों में 9 विकेट पर 194 रन ही बना सकी और मैच 11 रन से हार गई। आरसीबी के लिए जॉश हेजलवुड ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट चटकाए और क्रुणाल पंड्या ने 2 विकेट झटके। भुवनेश्वर कुमार को एक सफलता मिली। इस जीत के साथ आरसीबी के 12 अंक हो गए हैं, और अब वो गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स के साथ शीर्ष तीन में शामिल हो गई है।

पाक के साथ क्रिकेट संबंधों को लेकर सरकार की सलाह मानेगा बीसीसीआई : राजीव शुक्ला

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा है कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट संबंधों को लेकर जो भी सरकार का फैसला होगा वह उसे मानेगा। पहलगाम में आतंकियों के हमले के बाद से ही दोनो देशों के बीच तनाव बढ़ गया है और ऐसे में मांग की जा रही है कि पाक के साथ किसी भी स्तर पर न खेला जाये। अभी दोनो देश केवल आईसीसी इवेंट्स में ही खेलते हैं। बीसीसीआई उपाध्यक्ष शुक्ला ने कहा है कि बोर्ड सरकार की सलाह मानेगा हालांकि उन्होंने कहा कि आईसीसी और एसीसी इवेंट में भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखने को लेकर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। गौरतलब है कि एशिया कप और महिला एकदिवसीय विश्वकप कप में दोनो देशों के खेलने को लेकर भी अब सवाल उठ रहे है। वहीं एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी)

इस मामले में क्या फैसला करती है देखना होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण अब हालात बदल गये हैं। इसी कारण माना जा रहा है कि बीसीसीआई ने आईसीसी से अपील की है कि वे भारत और पाकिस्तान को आगे होने वाले बड़े टूर्नामेंट्स में एक ही ग्रुप में न रखा जाए। गौरतब है कि किसी भी बड़े इवेंट में भारत-पाकिस्तान के मैच से क्रिकेट बोर्ड को बहुत फायदा होता है। ऐसे में अगर ये दोनों टीमें एक ग्रुप में नहीं रहे तो आयोजकों को नुकसान होता है। हालांकि दोनो को एक ही ग्रुप में नहीं रखने को लेकर आ रही रिपोर्टों को लेकर शुक्ला ने अपना पक्ष रखा है। उन्होंने कहा कि बोर्ड इस मामले में सरकार की सलाह पर ही चलेगा। इसका मतलब साफ है कि जो सरकार का निर्णय होगा वही बीसीसीआई करेगा। वहीं एक अधिकारी ने कहा है उन्हें भारत-पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में नहीं रखने की कोई जानकारी नहीं है। इसका मतलब है कि अभी तक यह तय नहीं है कि भारत और पाक को एक ही ग्रुप में रखा जाएगा या नहीं। आईसीसी इवेंट की बात करें फिलहाल कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं होने जा रहा है। इस साल के अंत में भारत की मेजबानी में महिला एकदिवसीय विश्व कप आयोजन किया जाना है। पाकिस्तान ने इसके लिए क्वालीफाई कर लिया है। आठ टीमों का यह टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में होगा, जिसमें कोई ग्रुप नहीं होगा।

यशस्वी ने तीन मैचों में पहली ही गेंद पर छक्का लगाने का रिकार्ड बनाया

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। अब यशस्वी तीन आईपीएल मैचो में पहली ही गेंद पर छक्का लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गये हैं। इस सूची में विराट कोहली और मयंक अग्रवाल का नाम भी है। अब तक अब तक कुल मिलाकर आठ बल्लेबाजों ने आईपीएल मैच की पारी की पहली गेंद पर ही छक्का मारा है पर यशस्वी ही एकमात्र क्रिकेटर हैं जिन्होंने यह कारनामा तीन बार किया है। आरसीबी के खिलाफ पारी की शुरुआत करने आए यशस्वी ने 206 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भुवनेश्वर कुमार

की पहली गेंद पर बड़ा छक्का मारा। यशस्वी ने पहले भी दो मैच में पहली गेंद पर ही छक्का लगाया था। अब तीसरी बार यह कमाल कर उन्होंने बाकी बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया है। वहीं नमन ओझा]मयंक अग्रवाल, सुनील नरेन, विराट कोहली, रॉबिन उथप्पा, फिल साल्ट और प्रियांश आर्या ने भी एक बार पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। वहीं राजस्थान रॉयल्स की टीम को इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार 5वीं हार मिली जिससे उसके प्लेऑफ की राह अब कठिन हो गई है। आरसीबी के खिलाफ 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम 9 विकेट पर 9 विकेट पर 194 रन ही बना पाई। इस हार के बाद अब राजस्थान के प्लेऑफ की उम्मीदें तकरीबन समाप्त खत्म हो गई हैं।

क्रिकेट में किसे कहते हैं डबल हैट्रिक ?

मुम्बई। क्रिकेट में कुछ ऐसे बातें हैं जिनके बारे में काफी कम लोगों को जानकारी है। इसी में एक डबल हैट्रिक भी है। हैट्रिक का मतलब जहां लगातार तीन विकेट लेना है। वहीं डबल हैट्रिक को लेकर लोग अंदाजा लगाते हैं कि इसमें 6 विकेट होंगे पर ऐसा नहीं है। क्रिकेट में डबल हैट्रिक तब कहा जाता है जब कोई गेंदबाज लगातार तीन से ज्यादा विकेट ले ले। कोई गेंदबाज लगातार 4 गेंद पर 4 विकेट हासिल करता है तो उसे डबल हैट्रिक कहा जाता है। क्रिकेट इतिहास में बहुत ही कम ऐसे गेंदबाज हुए हैं जिन्होंने डबल हैट्रिक ली है। इसका कारण है कि किसी भी गेंदबाज के लिए अपने ओवर में बिना किसी वाइड, नो बॉल के लगातार चार विकेट लेना अपने आप में एक

बड़ी उपलब्धि होती है। वहीं डबल हैट्रिक की बात करें तो अंतरराष्ट्री क्रिकेट में श्रीलंका के महान तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा और बांग्लादेश के अल अमीन हुसैन ने यह उपलब्धि हासिल की है। मलिंगा ने साल 2007 एकदिवसीय विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में लगातार चार गेंद पर चार विकेट लेकर इतिहास रचा था। इसके अलावा बांग्लादेश के अल अमीन हुसैन ने घरेलू लीग मैच में लगातार 4 गेंद 4 विकेट लेकर ये कारनामा किया था।

व्यापार

सीमा पर तनाव से शेयर बाजार में तेज गिरावट, दिन के दूसरे सत्र में खरीदारी से सुधरे हालात

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बने तनाव के माहौल की वजह से आज घरेलू शेयर बाजार तेज गिरावट का शिकार हो गया। दिन के पहले सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक 1.5 प्रतिशत से अधिक टूट गए। हालांकि, दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिसकी वजह से शेयर बाजार की स्थिति में कुछ सुधार भी हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.74 प्रतिशत और निफ्टी 0.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान रियल्टी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह एनर्जी, ऑटोमोबाइल, मेटल, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, बीएसई और एनएसई में आज सिर्फ आईटी सेक्टर में मजबूती नजर आई। निफ्टी का आईटी इंडेक्स

आज 0.72 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट में भी आज बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.44 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने नौ लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 420.83 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया, जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 429.63 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 8.80 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,084 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 715 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,248 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 121 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,569 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 341 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,228 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 7 शेयर बढ़त के साथ और 23 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 9 शेयर हरे निशान में और 41 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 28.72 अंक की मामूली तेजी के साथ 79,830.15 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद पहले 10 मिनट में ही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 329.23 अंक की मजबूती के साथ 80,130.66 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, इस शुरुआती मजबूती के बाद बाजार पर पूरी तरह से बिकवालों ने कब्जा कर लिया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 1,524.85 अंक टूट कर 1,195.62 अंक की कमजोरी के साथ आज के सबसे निचले स्तर 78,605.81 अंक तक गिर गया। दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। लिवाली के सपोर्ट से सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 600 अंक से अधिक की रिकवरी करके 588.90 अंक की गिरावट के साथ 79,212.53 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 42.30 अंक की बढ़त के साथ 24,289 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक कुछ देर में ही 118.75 अंक की तेजी के साथ 24,365.45 अंक तक पहुंच गया।

मूंगफली के बम्पर उत्पादन का असर, मूंगफली तेल का भाव 4 साल में सबसे कम

राजराजकोट। राज्य में इस साल मूंगफली के बम्पर उत्पादन का असर मूंगफली के तेल की कीमत पर हुआ है। गुजरात में कपासिया तेल के बाद सबसे अधिक मूंगफली के तेल का इस्तेमाल खाद्य तेल के रूप में किया जाता है। इस साल गुजरात में मूंगफली का उत्पादन रिकॉर्ड 50 लाख टन से अधिक हुआ है। इसके कारण मूंगफली तेल का भाव पिछले 4 साल में सबसे कम हो गया है। गुजरात में 15 किलो मूंगफली तेल का डिब्बा अब 2300 रुपये से लेकर 2370 रुपये बिक रहा है। इससे गृहणियों को बड़ी राहत हुई है। लगातार तीन दिनों से मूंगफली के तेल की कीमत में गिरावट दर्ज की जा रही है। इन तीन दिनों में 15 किलो के डिब्बे पर 40 रुपये कीमत नीचे आई है। दिवाली से अभी तक की कीमत में 15 किलो पर 250 रुपये से लेकर 300 रुपये की गिरावट दर्ज की गई है। भाव

गिरने का मुख्य कारण इस साल मूंगफली की बम्पर उपज होना है। जानकारी के अनुसार राजकोट के अलावा पूरे सौराष्ट्र में मूंगफली तेल की सर्वाधिक खपत है। राजकोट यूनिवर्सिटी रोड पर स्थित भावेश ऑयल एजेंसी के व्यापारी भावेश भाई के अनुसार हाल ऑफ सीजन के कारण मूंगफली तेल की कीमत गिरी है। मूंगफली तेल के 15 लीटर के डिब्बे की कीमत 2300 रुपये के आसपास है। यह भाव पिछले 4 साल में सबसे कम है। दूसरी बड़ी वजह है कि मूंगफली तेल का निर्यात अभी घट गया है। बाजार में इसका पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। मूंगफली के बम्पर उपज के साथ सरकार नाफेड के जरिए भी मूंगफली बेच रही है। इससे किसान और सरकार दोनों की ओर से मूंगफली बाजार में पहुंच रहा है। राजकोट के बेठी मार्केट यार्ड सूत्र के अनुसार पिछले साल मूंगफली प्रति 20 किलो का भाव 1100 रुपये से लेकर 1350 रुपये था। इस साल इसका भाव 900 रुपये से लेकर 1250 रुपये है। यानी प्रति 20 किलो पर भाव 100 रुपये से लेकर 150 रुपये कम हुआ है। राजकोट समेत विभिन्न मार्केट यार्ड में अभी मूंगफली की आवक हो रही है। पिछले चार दिन में राजकोट में 12900 क्विंटल मूंगफली की आवक हुई है।

मारुति सुजुकी का मुनाफा मार्च तिमाही में एक फीसदी घटकर 3,911 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च, 2025 को समाप्त जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का मुनाफा एक फीसदी घटकर 3,911 करोड़ रुपये रहा है। मारुति सुजुकी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्रति शेयर 135 रुपये का अंतिम डिविडेंड भी घोषित किया है। मारुति सुजुकी इंडिया ने शुक्रवार को शेयर बाजार नियामकीय फाइलिंग में बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही का शुद्ध लाभ एक फीसदी घटकर 3,911 करोड़ रुपये रह गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 3,952 करोड़ रुपये था। कंपनी ने प्रति शेयर 135 रुपये का अंतिम डिविडेंड भी घोषित किया है। हालांकि, कंपनी

का राजस्व जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान 6.37 फीसदी बढ़कर 40,920.1 करोड़ रुपये हो गया, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 38,471.2 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी के मुताबिक जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान मारुति सुजुकी इंडिया का कुल खर्च सालाना आधार पर 8.55 फीसदी बढ़कर 37,585.5 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में उसने सबसे ज्यादा वार्षिक कुल बिक्री और निर्यात भी दर्ज किया। इसके अलावा कंपनी लगातार चौथे साल शीर्ष निर्यातक बनी रही, जो अब भारत से कुल यात्री वाहन निर्यात में लगभग 43 फीसदी का योगदान देती है। इस तरह मारुति सुजुकी इंडिया का शुद्ध लाभ चौथी तिमाही में थोड़ा कम हुआ है, लेकिन कंपनी की कुल आमदनी में वृद्धि हुई है।

2024 की अक्षय तृतीया से अभी तक सोने में हुआ 35 प्रतिशत का फायदा, अगली अक्षय तृतीया तक कैसी रहेगी सोने की चाल?

नई दिल्ली। इस साल 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया है। हिंदू धर्मावलंबी आमतौर पर सोने-चांदी की खरीदारी के लिए धनतेरस के अलावा इस दिन को भी काफी शुभ मानते हैं। पिछले 1 साल के दौरान सोने के भाव में आई तेजी के कारण ठीक अक्षय तृतीया के दिन ही सोना में निवेश करने वाले निवेशकों को अभी तक करीब 35 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। ऐसे में अब लोग इस बात का अनुमान लगाने में जुटे हैं कि इस साल अक्षय तृतीया के दिन सोने में किए गए निवेश का अगले साल अक्षय तृतीया के दिन क्या असर होगा। पिछले साल 10 मई को अक्षय तृतीया थी। उस दिन घरेलू सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 73 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिका था। वहीं इस साल अक्षय तृतीया से 5 दिन पहले आज 24 कैरेट सोना 98,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। तीन दिन पहले ही 24 कैरेट सोना का भाव कुछ देर के लिए 1 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक भी पहुंचा था। इस तरह पिछले साल अक्षय तृतीया के दिन 10 मई को सोना में निवेश करने वाले निवेशकों को अभी तक 34.25 प्रतिशत से अधिक का फायदा हो चुका है। माना जा रहा है कि 5 दिन बाद अक्षय तृतीया के दिन घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की मांग बढ़ने के कारण इसकी कीमत में और भी तेजी का रुख बन सकता है। हालांकि सोने की चाल अगले 1 साल के दौरान कैसी रहेगी, इसको लेकर मार्केट एक्सपर्ट्स एक मत नहीं हैं। जानकारों का कहना है कि अगर टैरिफ वॉर को लेकर दुनिया भर में बनी असमंजस की स्थिति जल्द खत्म नहीं हुई, तो आने वाले दिनों में घरेलू सर्राफा बाजार में सोना

1,35,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को भी पार कर सकता है। दूसरी ओर, अगर वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी उतार-चढ़ाव पर काबू पा लिया गया और टैरिफ को लेकर विवाद शांत हो गया, तो सोने की कीमत में बड़ा करेक्शन भी आ सकता है। इस करेक्शन के कारण सोना 75 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक गिर भी सकता है। कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि पिछले 1 साल के दौरान वैश्विक स्तर पर बढ़ी महंगाई, दुनिया के कई देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा की गई सोने की खरीदारी और दुनिया के कई देशों के बीच जारी तनाव की वजह से निवेशकों ने सेफ इन्वेस्टमेंट के रूप में सोने में निवेश करना ज्यादा पसंद किया। इसी वजह से पिछले 1 साल की अवधि में सोने की कीमत में लगभग 35 प्रतिशत तक का उछाल आ गया। राजीव दत्ता का कहना है कि इस स्तर पर कुछ निवेशक मुनाफा वसूली की बात भी सोच सकते हैं, लेकिन वैश्विक अर्थव्यवस्था में अमेरिका द्वारा शुरू किए गए टैरिफ वॉर के कारण जिस तरह असमंजस की स्थिति बनी है, उसमें फिलहाल निवेशकों को सोने में किए गए निवेश को बेचने की जगह होल्ड करने के ऑप्शन पर विचार करना चाहिए। हालांकि उनका ये भी कहना है कि अगर किसी निवेशक के पोर्टफोलियो में सोने की हिस्सेदारी ज्यादा हो गई है, तो कुछ मात्रा में सोने की बिकवाली करके पोर्टफोलियो को बैलेंस किया जा सकता है, लेकिन मौजूदा स्थिति में सोने में किए गए निवेश को पूरी तरह से निकाल देना सही नहीं होगा। इसी तरह कमोडिटी मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि बाजार की तेजी का फायदा उठाते हुए कुछ मात्रा में सोने को बेच कर मुनाफा वसूली की जा सकती है, लेकिन अगर निवेशक सोने में किए गए निवेश को कुछ और समय तक होल्ड कर सकें, तो उन्हें इस ऑप्शन पर भी ध्यान देना चाहिए। उनका कहना है कि मौजूदा स्थिति में सोना पॉजिटिव ट्रेंड ही दिखा रहा है। इसलिए सोने को बेचकर तात्कालिक मुनाफा तो जरूर कमाए जा सकता है, लेकिन इससे दीर्घकालिक मुनाफे पर नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। हालांकि मयंक मोहन मौजूदा स्थिति में सोने में निवेश को ज्यादा बढ़ाने के पक्ष में भी नजर नहीं आते हैं।

ऐसा हुआ तो पति जहीर से तलाक ले लेंगी

सोनाक्षी सिन्हा

दुनियावालों के सामने खाई कसम

एक्टर सैफ अली खान की बहन और बॉलीवुड एक्ट्रेस सोहा अली खान ने हाल ही में अपनी दूसरे धर्म में शादी पर खुलकर बात की है. उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि हिंदू धर्म में शादी करने पर उन्हें लोग ट्रोल करते हैं और दिवाली, होली मनाने पर उन्हें उनका धर्म याद दिलाया जाता है. सोशल मीडिया पर लोग उनकी पोस्ट पर कमेंट करते हुए उन्हें ताने मारते हैं. ऐसा ही कुछ दिग्गज एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी और एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा के साथ भी होता है.सोनाक्षी सिन्हा ने भी दूसरे धर्म में शादी की है. साल 2010 में फिल्म 'दबंग' से हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने वाली सोनाक्षी ने साल 2024 में ही एक्टर जहीर इकबाल से शादी रचाई थी. शादी के समय से ही एक्ट्रेस को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है. उनके और जहीर के रिश्ते पर लोग भड़काऊ कमेंट्स भी करते हैं. एक बार फिर से कुछ ऐसा ही हुआ. एक शख्स ने ये तक कह दिया कि जहीर और सोनाक्षी का तलाक जल्द ही होगा. इसके बाद एक्ट्रेस ने जो जवाब दिया वो सुर्खियां बटोर रहा है. सोशल मीडिया

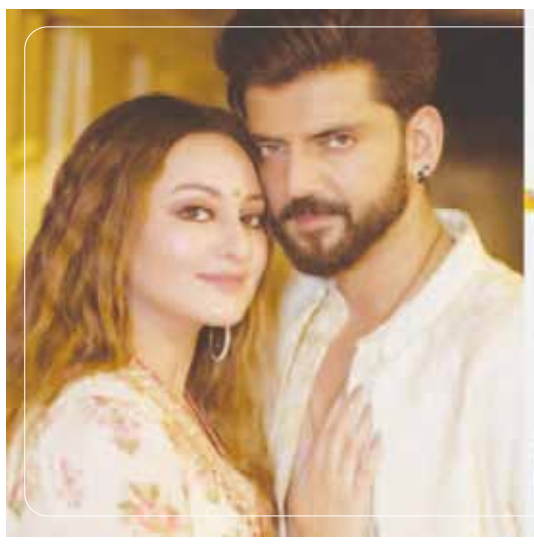

पर एक्ट्रेस ने बड़ा वादा कर दिया.

शख्स ने की सोनाक्षी-जहीर के तलाक की बात

जहीर और सोनाक्षी एक दूसरे के साथ अक्सर ही सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते रहते हैं. हाल ही में सोनाक्षी ने एक पोस्ट शेयर किया था, जिसपर एक शख्स ने हदें पार करते हुए दोनों के तलाक की बात कह दी. शख्स ने कमेंट में लिखा, आपका तलाक बहुत करीब है.

सोनाक्षी ने खाई ऐसी कसम

सोनाक्षी सोशल मीडिया यूजर के इस तरह के कमेंट पर भड़क उठीं. एक्ट्रेस ने उसे मुंहतोड़ जवाब दिया और एक वादा भी सोशल मीडिया पर फैंस के सामने कर डाला. एक्ट्रेस ने रिएक्ट करते हुए लिखा, पहले तेरे मामी पापा करेंगे (तलाक), फिर हम. प्रॉमिस. सोनाक्षी के इस कमेंट की सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है. फैंस एक्ट्रेस की इस हाजिरजवाबी की तारीफ कर रहे हैं.

7 साल की डेटिंग के बाद रचाई थी शादी

सोनाक्षी और जहीर ने एक दूसरे को साल 2017 से डेट करना शुरू किया था. सात साल की डेटिंग के बाद कपल ने साल 2024 में एक्ट्रेस के घर पर सिविल मैरिज की थी. इसके बाद उन्होंने मुंबई में रिसेप्शन पार्टी रखी थी, जिसमें कई सेलेब्स शामिल हुए थे.

रेखा के पैर छुए, सारा अली खान से की गपशप, फिर चर्चा में आया 'हीरामांडी' का ये एक्टर

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी में अपनी परफॉर्मेंस से सबका दिल जीतने वाले ताहा शाह बादशाह एक बार फिर सोशल मीडिया पर छा गए हैं. दरअसल इस बार उनके वायरल होने की वजह कोई मूवी या सीरीज़ नहीं, बल्कि उनका स्वभाव है. उनके कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिनमें वो रेखा और सारा अली खान के साथ दिखाई दे रहे हैं.वायरल हुए वीडियो में ताहा शाह दिग्गज एक्ट्रेस रेखा के पैर छूते हुए नजर आ रहे हैं. रेखा भी बड़े प्यार से ताहा के सिर पर हाथ रखकर उन्हें आशीर्वाद दे रही हैं. इसके बाद काफी देर तक दोनों बातचीत करते हैं. वहीं, उनके पीछे बैठी लापता लेडीज़ फेम नितांशी गोयल ताहा और रेखा के इस मोमेंट की गवाह बनीं.

लोगों ने क्या कहा ?

जब ताहा रेखा के सामने रिस्पेक्ट दिखाने के लिए झुके तो ये मोमेंट मानो लोगों का दिल छू गया. एक यूज़र ने लिखा, ताहा जेंटलमैन हैं. एक अन्य ने लिखा, शाहरुख खान बनने की नाकाम कोशिश.

अवॉर्ड शो में ताहा शाह ग्रे कलर के सूट में काफी डैशिंग लग रहे थे. रेखा हमेशा की तरह साड़ी में नजर आई. उन्होंने पिस्ता ग्रीन कलर की साड़ी को बड़े झुमकों के साथ पेयर किया. आपको जानकर हैरानी होगी कि संजय लीला भंसाली ने 20 साल पहले हीरामंडी में लीडिंग रोल रेखा को ऑफर किया था. इस बात की जानकारी मनीषा कोराला ने एक इंटरव्यू के दौरान दी थी.

सारा के साथ मजेदार केमिस्ट्री

अवॉर्ड शो से वायरल हुए दूसरे वीडियो में ताहा और सारा अली खान हंसते-हंसते एक-दूसरे से मजेदार बातचीत करते दिखे. दोनों के इस वायरल वीडियो पर फैंस भी लगातार कमेंट कर रहे हैं. लोग इस वीडियो को देखने के बाद दोनों की जोड़ी बनाने लगे. एक ने लिखा, दोनों की जोड़ी बहुत अच्छी है, साथ में फिल्म करनी चाहिए. सारा अली खान काले गाउन के साथ डायमंड नेकलेस पहने दिखीं.

ताहा ने हीरामंडी में अपनी एक्टिंग और लुक्स के जरिए सबको हैरान कर दिया था. उन्होंने सीरीज़ में ताजदार बलोच का किरदार निभाया था. सीरीज़ की रिलीज़ के बाद से ही ताहा शाह बादशाह को सब लोग नेशनल क्रश बुलाने लगे थे.

1-2 नहीं, बल्कि आमिर खान की सितारे जमीन पर होंगे 10 किरदार

आमिर खान काफी लंबे वक्त से अपनी अपकमिंग फिल्म 'सितारे जमीन पर' को लेकर लोगों के बीच सुर्खियां बटोर रहे हैं. हालांकि, कुछ वक्त पहले ही फिल्म से जुड़ी एक खास अपडेट सामने आई, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट के बारे में बताया गया है. अभी की बात करें, तो पहली बार आमिर ने फिल्म से जुड़े किरदारों के बारे में बात की है. एक्टर ने बताया है कि फिल्म में 1, 2 नहीं बल्कि कुल 10 मेन किरदार होने वाले हैं.

साल 2007 में आमिर खान की फिल्म तारे जमीन पर रिलीज हुई थी, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया था. यही वजह है कि जब से इस फिल्म की अनाउंसमेंट की गई है, तभी से लोगों में इसे लेकर एक्साइटमेंट काफी ज्यादा है. हाल ही में बॉलीवुड हंगामा से बातचीत के दौरान एक्टर ने फिल्म के किरदारों के बारे में बात की. एक्टर ने बताया कि 'सितारे जमीन पर' में जो मेन किरदार हैं, उनमें से कुछ डाउन सिंड्रोम, तो कुछ ऑटिस्टिक हैं.

दिव्यांगों ने भी निभाई रोल

एक्टर ने बताया कि फिल्म में कु मेन किरदारों को दिव्यांगों ने निभाई है. आमिर खान इंडस्ट्री के मिस्टर परफेक्शनिस्ट के तौर पर जाने जाते हैं. हमेशा ही एक्टर कुछ खास परेशानियों को लाते हैं और लोगों के सामने पेश करते हैं. फिल्म के बारे में बात करें, तो इसकी एडिटिंग का काम पूरा हो गया है. 1 मई को फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया जाएगा, हालांकि फिल्म की रिलीज डेट अभी कंफर्म हो गई है, जो कि 20 जून है.

3 साल बाद होगी वापसी

इस फिल्म से पहले आमिर खान लाल सिंह चड्ढा में नजर आए थे, जो कि साल 2022 में रिलीज हुई थी. लंबे वक्त के बाद आमिर की वापसी को लेकर लोगों ने काफी उम्मीद लगाई हुई है.

फिल्म में आमिर खान के साथ जेनेलिया देशमुख भी शामिल हैं. जिस दिन फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो रहा है उस दिन सिनेमाघरों में अजय देवगन की फिल्म रेड 2 रिलीज हो रही है. इस फिल्म में रितेश देशमुख भी शामिल हैं.

मुंह तोड़ दूंगी...शो में आते ही

निया शर्मा

का बवाल, सीधे एल्विश यादव से लिया पंगा

कलर्स टीवी के कुकिंग रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ 2' में निया शर्मा की धमाकेदार वापसी हो चुकी है और आते ही उन्होंने इस शो में अपना दबंग अंदाज दिखाना शुरू कर दिया है. जहां निया के फैंस उनकी वापसी से बेहद खुश हैं, वहीं शो के कुछ नए कंटेस्टेंट्स के लिए वो मुसीबत बनती दिख रही हैं. इन नए कंटेस्टेंट में से एल्विश यादव पर निया ने सबसे पहले निशाना साधा है. जी हां,बिग बॉस ओटीटी 2 के विनर पर ही सबसे पहले 'सुहागन चुड़ैल' एक्ट्रेस का गुस्सा फूट पड़ा.कलर्स टीवी के सोशल मीडिया पर शेयर किया गया 'लाफ्टर शेफ' का वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है. इस वीडियो में निया शर्मा गुस्से से लाल दिखाई दे रही हैं.

दरअसल निया की टेबल से खाने का कुछ सामान गायब हो गया है. जैसे कि इस कुकिंग कॉमेडी शो में अक्सर होता है, कंटेस्टेंट्स एक-दूसरे के सामान पर हाथ साफ करते नजर आते हैं. लेकिन इस बार निया अपने खाने की चोरी करने वाले को कड़ी चेतावनी देती हुई नजर आ रही हैं.

निया के तेवर देख डर गए एल्विश

प्रोमो में निया शर्मा चिल्ला चिल्ला कर ये कह रही हैं कि हमारा ब्रेड कौन लेकर गया ? मुंह तोड़ दूंगी मैं घूंसा मार के. इसके बाद निया सीधे एल्विश यादव की तरफ बढ़ती हैं और कहती हैं, एल्विश, तुम्हें क्या लगता है कि मैं तुमसे डर गई हूं, ब्रो ? मेरी ब्रेड वापस करो. मैंने तुम्हें चोरी करते हुए देखा है. निया के ये तेवर देख कुछ समय के लिए एल्विश भी दंग रह जाते हैं.

कृष्णा ने उड़ाया मजाक

एल्विश अपनी सफाई में कहते हैं, मेरी तलाशी ले लो आप. इस पर निया और भी तेज आवाज में कहती हैं, एल्विश, मेरा ब्रेड और बटर वापस दो ! एल्विश पलटकर पूछते हैं, बटर भी चाहिए आपको साथ में ? बटर कहां से लाऊं ? इस गरमा गरम माहौल को देखकर कृष्णा अभिषेक मस्ती के मूड में आ जाते हैं और कहते हैं, अरे कौन कहता है कि एल्विश के आगे कोई बोल सकता है क्या ? ये लड़की तो आकर सीधा बोलना शुरू कर दी है.

Amit Shah directs states to expel Pakistanis

Agency: A day after India cancelled all existing visas for Pakistani nationals, Union Home Minister Amit Shah on Friday directed all Chief Ministers to identify and remove citizens of the neighbouring country from their respective states immediately. Following a high-level meeting with top officials, Amit Shah instructed Chief Ministers of all states to take immediate steps to deport them. In the wake of the Pahalgam terror attacks, India asked all Pakistani citizens to leave India by April 27. The Centre further stated that Pakistani citizens with medical visas will get an additional two days but will have to leave the country by April 29. s"In continuation of the decisions made by the Cabinet Committee on Security in the wake of the Pahalgam terror attack, the government of India has decided to suspend visa services to Pakistani nationals with immediate effect," the MEA said in a statement on Thursday. Additionally, India "strongly advised" its nationals against travelling to Pakistan. The recent move to cancel visas for Pakistani nationals came amid India's multipronged offensive - from pausing the 1960 Indus Water Treaty to shutting down the Attari land-transit post - against Islamabad after Pakistan-backed terrorists opened fired on tourists on Tuesday, killing 26. The terrorists had singled out Hindu male tourists and shot them

dead, according to tourists. One terrorist had even asked a woman to "go tell (Prime Minister) Modi". "The terrorists suddenly appeared and began firing indiscriminately. While some of them opened fire, others grabbed the Hindus present and forced them to recite the Azan. Then they resumed firing and shot my father and uncle," a woman, who was present at the spot, told Agency. She added that the terrorists claimed that their religion was "in danger" because of Hindus. On Thursday, Prime Minister Narendra Modi warned that "India will identify and punish every terrorist, and those behind them."

Top LeT commander killed in gunfight in J&K's Bandipora

Agency: India drew first blood in its operation to identify and eliminate those behind the April 22 Pahalgam terror attack, with top Lashkar-e-Taiba (LeT) commander Altaf Lalli killed in an encounter in Bandipora. The operation is part of a wider security crackdown to track down LeT terrorists suspected to be involved in the attack that claimed 26 lives. On Friday morning, acting on specific intelligence about the presence of terrorists, a joint search operation was launched by the Indian Army and Jammu and Kashmir Police in Bandipora. Contact was established with the terrorists, leading to a firefight.

Earlier, sources reported that one of the terrorists being pursued by security forces had sustained injuries during the initial exchange of fire. In the same encounter, two police personnel - both part of the personal security team of a senior officer-were also injured. Meanwhile, Army Chief General Upendra Dwivedi arrived in Srinagar, where he was briefed on the ongoing operation in Bandipora. He is scheduled to conduct a comprehensive security review of the situation and assess the progress of the operation aimed at tracking down LeT terrorists suspected to be behind the Pahalgam terror attack.

In another development, the houses of two terrorists believed to be involved in the Pahalgam attack were destroyed by security forces and J&K authorities on Friday. While the residence of Lashkar terrorist Adil Hussain Thoker in Bijbehara was blown up using IEDs, the house of Asif Sheikh in Tral was demolished with a bulldozer. Adil Thoker is believed to have played a key role in helping the Pakistani terrorists plan and carry out the attack in the scenic Baisaran Valley that left 26 people dead. The Anantnag Police has announced a reward of Rs 20 lakh for information on Thoker and two Pakistani nationals - Ali Bhai and Hashim Musa - who carried out the attack. The sketches of the trio have also been released as security forces launched a massive hunt for the attackers. The attackers, believed to be 4-5 in number, emerged from the dense pine forest surrounding the Baisaran valley on Tuesday and started firing indiscriminately with AK-47 rifles at tourists.

Some survivors said the terrorists, in military fatigues, checked the IDs to verify religion, and executed those identified as non-Muslims, point-blank.

Misleading narrative built on 'waqf by user': Centre defends law in Supreme Court

Agency: Defending the amendments brought to the waqf law, the Centre on Friday argued against any interim pause of provisos while challenges on grounds of religion and property are being heard by the Supreme Court. The Centre further argued that even if all waqfs, including 'waqf by user', had to be mandatorily registered under the original act of 1923, several private and government lands were claimed under 'waqf by user', leading to deprivation of valuable property rights of individual citizens and unauthorised claims over public properties. "A deliberate, purposeful and intentionally misleading narrative is built very mischievously, giving the impression that those waqfs including 'waqf by user' which do not have documents to support their claims will be affected. This is not only untrue and false but purposefully and deliberately misleading court," said the Centre in its counter-affidavit. In its reply to petitions challenging the Waqf (Amendment) Act, the Centre stated that 'waqf by user' has been recognised only upon registration for the past 100 years and not by word of mouth. "Hence, the amendment aligns with consistent practice," the Centre told the bench. "Taking away the statutory protection to a waqf by user does not deprive a person of the Muslim community to create a waqf," stated the Centre. The Centre went on to say that the only mandatory requirement for being protected under the proviso is that 'waqf by user' should be registered on 08.04.2025 since registration has always been mandatory. The Centre further said that those who avoided getting registered under 'waqf by user' cannot claim the benefits of the proviso. 'Waqf by user' refers to land or property that is considered waqf due to its long-term use for religious purposes. Even without formal documentation or a written deed, such property could be declared 'waqf by user', depending on its usage over time. Earlier this month, the Supreme Court flagged concerns over the removal of the 'waqf by user', the inclusion of non-Muslims on waqf boards and the powers of the Collector when it comes to determining the status of waqf on disputed government land. "We do not stay legislation normally at this stage of the challenge unless in exceptional circumstances. This appears to be an exception. Our concern is that if waqf-by-user is de-notified, there could be huge consequences," Chief Justice of India Sanjiv Khanna observed while flagging certain provisions of the act.

From where terrorists came and shot the tourists in Pahalgam?: Walked 20 km from *Tral forest to Pahalgam*

At Baisaran Valley, a popular tourist spot, visitors were taking photos, filming videos, and enjoying adventure activities when sudden gunfire broke out. Initially unaware as they were far from the firing, tourists soon realised an attack was underway. Terrorists emerged from the forest and opened fire, killing 26 people within 10–15 minutes before disappearing back into the woods. They remain untraceable. Reports suggest five terrorists were involved—three locals and two foreigners. To investigate why Baisaran was targeted and how the attackers reached there,

Investigations revealed that the firing began from the direction of the forest, making nearby tourists the terrorists' first targets. The forest path connects to Tral and Kishtwar, both known terrorist strongholds. The attackers came from Tral's forests. While the road distance from Pahalgam to Tral is about 55 km, the forest route shortens it to around 20 km—an advantage the terrorists used. Now, Pahalgam's roads are deserted. There are no tourists, and all shops, hotels, and restaurants are shut.

Intelligence sources suggest the terrorists had local support—essential for carrying out such a large-scale attack. Anantnag police and investigating agencies have questioned over 200 people so far, including tourist guides, horsemen, food stall vendors, activity organisers, and shopkeepers. All have been instructed not to speak to the media until the investigation concludes. Some shopkeepers revealed that Pahalgam's peak tourist season runs from April to November, with over 300 shops—now all shut—due to high rents and heavy footfall. Around 200 people work in Baisaran Valley, including food vendors, horse riders, and bikers, all of whom have since returned home.

A video from the time of the attack went viral, in which a Kashmiri man is seen running with a child on his shoulders. This is Sajjad Ahmad Bhatt from Pahalgam. Sajjad says, 'I am a tourist guide. I also sell shawls. When the attack happened, I was at home. I found out that there was an attack in Baisaran Valley. Many people are injured.'

'I reached there immediately. People were running there. They were panicked. They were asking for water. I gave them water. There were other local people present as well. We had no means to bring the injured down. So we carried them on our shoulders and ran downwards. 10-15 people were taken to the hospital on horses. That's when someone made a video of me and it went viral.' 'People think that I was the only one who carried the injured on my shoulders. There were many people doing the same. I carried children and some other people.'

Nazakat Ahmed Shah, like Sajjad, saved 11 tourists from Chhattisgarh—four couples and three children. He often visits Chhattisgarh to sell shawls and works as a tourist guide the rest of the year. Familiar with the group, he had shown them around Gulmarg and Jammu before reaching Pahalgam. At 12:30, while they were playing in Baisaran Valley-crowded with 1,000–2,000 tourists-sudden gunfire rang out. Initially mistaking it for firecrackers, Najakat soon realised the danger as panic spread. He quickly lay down with the group, then picked up the children-one in his arms, another on his back, and one by the hand-and led everyone down to safety. After discovering a woman had been left behind, he returned to the valley to rescue her.

Nazakat said the firing began from the opposite side of where they stood, initially from a hill. Soon, gunfire came from multiple directions, but they couldn't see anyone. He acted swiftly, guiding the group to safety.

Sources say, 'The terrorists knew that there is no security in Baisaran Valley. There are no CCTV cameras around either. About 5 km away from the valley, there is a CRPF camp down the hill. It may take them half an hour to reach the spot. ???? Baisaran Valley can only be accessed on foot or by horse and ATV bikes. Therefore, the terrorists escaped through the forest path before the security forces could arrive.' We spoke to retired Brigadier Vijay Sagar, who has served in North Kashmir and Srinagar and now resides in Jammu, about the attack's method and location. When asked how the terrorists managed to reach Baisaran Valley and vanish, he explained, "Baisaran Valley is flanked by mountains and forests on both sides. The forest to the left is part of the mountain range extending to Kishtwar, while the right side has the forests of Tral."

He said, "Tral's forest is a known terrorist stronghold, supported by both Pakistan and locals. It lies adjacent to Baisaran Valley and offers the safest hiding place for terrorists. I believe they entered Baisaran through this route." Tourism in Kashmir has been thriving over the past 3–4 years, generating significant income-up to 2 crore daily during peak season. However, Pahalgam is now deserted.

"This is the first time terrorists have deliberately targeted tourists in Jammu and Kashmir. In the past, tourists were occasionally caught in crossfire, but never intentionally attacked. I suspect that beyond Pakistan's involvement, China may also have a hand in this," he added. He also noted, "The US Vice President, JD Vance, recently visited India. There were ongoing discussions around large-scale investments, including business talks in Saudi Arabia."

Retired Lieutenant General Sanjay Kulkarni stated that Pakistan is behind the attack. After the abrogation of Article 370, rumours spread that outsiders would settle in Kashmir and buy land. With ISI's support, terrorist groups aim to spread fear and reignite opposition to Article 370's removal. He noted that although Baisaran was crowded at the time, no one attempted to catch the attackers—unlike in Mumbai during the Kasab incident—indicating local support. The attack occurred in daylight, when tracking terrorists is easier, yet they vanished without trace. He added that Pakistan has invested millions in terrorism in Kashmir and doesn't want it to go to waste. As tourism has flourished over the last 4–5 years, this attack also serves as a warning to Kashmiris-not to focus solely on income but to remember "their purpose."

The terrorist involved in the attack, Adil Hussain, is a resident of Anantnag. According to sources, Adil went to Pakistan for terrorist training in 2018. It is suspected that he infiltrated into Kashmir through the border adjacent to Poonch or Rajouri in November or December 2024. It has also been found that he hid in the mountains for a long time. Security agencies have released sketches of Adil and two other terrorists.

Prime Minister Narendra Modi said during a gathering in Bihar, 'I want to say in very clear words that these terrorists and those who conspired this attack will receive a punishment beyond their imagination, they will definitely be punished. The time has come to bury the remaining ground of the terrorists into the soil. The willpower of 140 crore Indians will now break the backbone of the terror masterminds.' The central government admitted on Thursday that there was a security lapse in the Pahalgam attack. After the all-party meeting, Parliamentary Affairs Minister Kiren Rijiju said that IB and Home Ministry officials informed the opposition leaders about the security lapse in the meeting.

The opposition said that they are with the government. After the meeting, Rahul Gandhi said that the government has full support for every action. Rahul will also visit Anantnag on Friday to meet the people injured in the attack.

Indian Army Chief General Upendra Dwivedi will visit Srinagar on April 25. In light of the Pahalgam attack, he will review the security situation. Top commanders of the local military formation will brief General Dwivedi. They will also provide information on the anti-terrorist operations being conducted in Kashmir and along the Line of Control (LoC).

There was a commotion outside the Indian High Commission in Islamabad. Pakistani journalist Shafaqa Ali shared a video of it on social media platform X. A large number of people gathered outside the High Commission and attempted to break the gate and enter. The people causing the commotion also raised anti-India slogans.

Octroi Post closed for civilians after India, Pak shut border

Agency: The government on Friday closed the Octroi Post at India-Pakistan International Border for civilian movement as New Delhi strikes back against Islamabad following the Pahalgam terror attack that killed 26 people on April 22. No civilians will be allowed to visit the border at the Octroi Border Security Force (BSF) post in the RS Pura sector of Jammu and Kashmir, which is a popular tourist spot, according to officials. The Attari border, the main crossing point between India and Pakistan, had already been closed, and operations at the Integrated Check Post were suspended as part of India's response to the terror attack, carried out by The Resistance Front (TRF), an offshoot of the Pakistan-based Lashkar-e-Taiba (LeT). A group of terrorists opened fire in a meadow near the popular tourist hub of Pahalgam in South Kashmir on Tuesday afternoon, killing 26 people, most of them tourists. This marks one of the deadliest attacks in the region in recent years and has triggered a strong response from India, which has accused Pakistan of facilitating and promoting cross-border terrorism. In a significant retaliatory move, India has suspended the Indus Waters Treaty of 1960 with immediate effect.

Terrorist shot him, waited until he died: Pahalgam Attack survivor

Agency: In an emotional exclusive interview, Shital Kalathiya, the wife of Shailesh Kalathiya who was killed in the recent Pahalgam terror attack, recounted the horror of witnessing her husband being shot dead by terrorists. Cradling him in her lap after he was hit, Shital was left begging for help that never came. She recalled that they had only been at Pahalgam's popular "Mini Switzerland" spot for 10–15 minutes with their two children and other families when gunfire erupted. Initially confused, they asked a nearby shopkeeper who also claimed it was the first time he'd heard such sounds. Moments later, terrorists appeared and ordered the group to separate by religion - Hindus on one side, Muslims on the other.

"All the Hindu men were shot on the spot within two to three minutes," she said in an interview. Shital described how she couldn't move while her husband lay wounded in her lap, fearing for her children as the terrorists stood nearby. "I just kept hoping someone would come to save my husband. We heard so many gunshots, but no security, military, or police came." She added that even after the terrorists left, there was no immediate help.

Locals urged the remaining people to flee with their children in case the attackers returned. "I carried my children barefoot through knee-deep mud to safety," she said.

Killer had camera strapped to head, filmed husband's death

Agency: Pahalgam tragedy survivors said on Thursday the terrorists recorded the massacre on their bodycams while they went about killing the tourists one after another. Sohini (37), the widow of Florida-based techie Bitan Adhikary (40), is yet to come to terms with her husband's death. "I can't wipe those nightmarish moments from my memory. The gunman who shot my husband down had a video camera strapped to his forehead. It meant they were recording the acts or may have been streaming it for some persons to watch," she said. Bitan was held at gunpoint and after he kept quiet when asked to reveal his religion, he was asked to recite the first kalma. When he said he couldn't, admitting that he was a Hindu, he was shot dead. Recounting the moments at Baisaran Valley before the massacre, Sohini said: "We were having a good time in the valley when we saw some people coming over and asking questions. Suddenly, we heard gunshots. Everyone ducked down as the militants came up to us and asked our identities. An elderly man remained silent.